राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार,09 जुलाई2020 वर्ष-3, अंक -163 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महामारी से लड़ने की तैयारी तेज, देश में 1100 से ज्यादा कोरोना टेस्ट लैब

नेशनल डेस्क। देश भर में कोरोना वायरस कोविड-19 की जांच करने वाली लैब की संख्या लगातार बढ़ती हुई 1,119 हो गयी है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण की जांच करने वाली सूची में चार लैब और जुड़ गये हैं। इनमें सरकारी लैब की संख्या 795 तथा निजी लैब की 324 है। इस समय वास्तविक समय आरटी पीसीआर आधारित परीक्षण लैब 600 (सरकारीः 372 , निजीः 228) है जबकि ट्रूनेट आधारित परीक्षण लैब की संख्या 426 (सरकारी- 390, निजी- 36) और सीबीएनएएटी आधारित परीक्षण लैब 93 (सरकारी- 33, निजीः 60) हैं। देश में सीबीएनएएटी आधारित एक निजी परीक्षण लैब कम हुआ है। इन 1,119 लैब ने सात जुलाई को कोरोना वायरस के कुल 2,62,679 नमूनों की जांच की। इस तरह अब तक कुल 1,04,73,771 नमूनों की जांच की जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि 23 जनवरी तक केवल पुणे की एक लैब में कोरोना वायरस संक्रमण की जांच की सुविधा थी और अब करीब साढ़े पांच माह बाद देश भर की 1,119 लैब में कोरोना वायरस संक्रमण की जांच की सुविधा उपलब्ध है।

कश्मीर हाई कोर्ट में सीआरपीएफ का जवान निकाला कोरोना पाजिटिव, न्यायालय परिसर दो दिन के लिए बंद

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर हाई कोर्ट के श्रीगनर परिसर को दो दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। कोर्ट सुरक्षा हेतु तैनात सीआरपीएफ कर्मी के कोविड 19 संक्रमित पाये जाने के बाद यह फैसला लिया गया। रजिस्टार जनरल के निर्देशानुसार सुरक्षा एवं एहतियात के तौर पर कोर्ट परिसर को दो दिनों के लिए बंद किया गया है। रजिस्टार जनरल जावेद अहमद द्वारा पारित किये गये आर्डर में कहा गया है, सरकार द्वारा जारी एसओपी के मद्देनजर हाई कोर्ट के श्रीनगर परिसर को दो दिनों के लिए सेनिटाइजेशन के लिए बंदद किया जा रहा है।8 और 9 जुलाई 2020 को सेनिटाइजेशन के लिए आने वाले वर्करों के अतिरिक्त किसी को भी परिसर में आने की अनुमति नहीं है। इन दो दिनों के जरूरी मामलों की सुनवाई 10 जुलाई को की जाएगी। बाकी मामलों को लेकर संबंधित बैंच सचिव तारीख देंगे और उसे हाई कोर्ट की बेवसाइट पर पोस्ट कर दिया जाएगा। आपको बता दें कि जम्मू कश्मीर में कोरोनो के हर रोज नये मामले ग्मने आ रहे हैं।

वैक्सीन न बनी तो भारत में आएगी तबाही, हर दिन आएंगे कोरोना के 2.87 लाख केस!

नई दिल्ली। अमेरिका के प्रतिष्ठित मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के शोधकर्ताओं के अध्ययन मॉडल के मुताबिक अगर कोविड-19 का टीका या दवा विकसित नहीं हुआ तो 2021 की सर्दियों के अंत तक भारत में रोजाना संक्रमण के 2.87 लाख नये मामले सामने आ सकते हैं। शोधकर्ताओं ने 84 देशों में भरोसेमंद जांच आंकड़ों के आधार पर गतिशील महामारी मॉडल विकसित किया है। इन 84 देशों में दुनिया की 4.75 अरब लोग रहते हैं। प्रकाशन पूर्व शोधपत्र में एमआईटी के प्रोफेसर हाजिर रहमानदाद और जॉन स्टरमैन, पीएचडी छात्र से यांग लिम ने संक्रमण से प्रभावित शीर्ष 10 देशों के दैनिक संक्रमण दर के आधार पर अनुमान लगाया है कि भारत में वर्ष 2021 की सर्दियों के अंत तक रोजाना 2.87 लाख नये मामले आ सकते हैं। इसके बाद अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका, ईरान, इंडोनेशिया, ब्रिटेन, नाइजरिया, तुर्की, फ्रांस और जर्मनी का स्थान होगा। हालांकि, शोधकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि पूर्वानुमान केवल संभावित खतरे को बताता है न कि भविष्य में मामलों की भविष्यवाणी करता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि कड़ाई से जांच और संक्रमितों से संपर्क को कम करने से भविष्य में मामले बढने का खतरा कम हो सकता है जबकि लापरवाह रवैये और खतरे को सामान्य मानने से महामारी विकराल रूप ले लेगी। शोधकर्ताओं ने कहा कि 2021 का पूर्वानुमान टीका नहीं विकसित होने की स्थिति को लेकर आधारित है। इस मॉडल में 84 देशों के आंकड़ों के आधार पर कई अहम खुलासे भी हुए हैं। मसलन महामारी की वास्तविक स्थिति को कमतर कर बताया जा रहा है। शोधकर्ताओं के मुताबिक 18 जून से अबतक मामलों और मृत्युदर आधिकारिक आंकड़ों के मुकाबले क्रमशः 11.8 और 1.48 गुना अधिक है।

विदेश में देश का नाम रोशन कर रहे लोगों की मदद के लिए सरकार के पास कोई नीति नहीं- कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अमेरिका में एच-1बी वीजा निलंबित किए जाने और कुवैत के एक प्रस्तावित कानून को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि विदेश में देश का नाम रोशन करने वालों की मदद के लिए इस सरकार के पास कोई नीति नहीं है। पार्टी प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने यह दावा भी किया कि दूसरे देशों में बड़े-बड़े आयोजन करने, हाथ मिलाने और गले मिलने की कूटनीति का देश के नागरिकों को कोई फायदा नहीं हो रहा है। उन्होंने वीडियो लिंक के माध्यम से संवाददाताओं से कहा, ''बड़े -बड़े आयोजनों, हाथ मिलाने, गले मिलने और इवेंट करने का जमीनी सच सबके सामने है। देश इसका जवाब मांग रहा है क्योंकि भारतीयों पर सीधा आघात हो रहा है। सिंघवी ने कहा, ''अमेरिका में लिए गए इस एकतरफा निर्णय से लगभग 85,000 एच-1बी वीजाधारक प्रभावित हुए हैं। वीजा निलंबित किए जाने को कई हफ्ते हो भी गए, लेकिन हमारी सरकार कुछ कर नहीं पाई। उनके मुताबिक, अमेरिका के इस निर्णय का सबसे ज्यादा नुकसान भारतीय युवाओं को हुआ है क्योंकि हर चार एच-1बी वीजा में से तीन भारतीय को मिलते रहे हैं। कुवैत में हर देश के नागरिकों की आबादी को 15 फीसदी तक सीमित करने से जुड़े प्रस्तावित कानून का हवाला देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खाड़ी देशों का कई बार दौरा कर चुके हैं और पुरस्कारों का आदान-प्रदान भी हुआ है, लेकिन कुवैत इस तरह के निर्णय कर रहा है। उन्होंने कहा, ''कुवैत आर्थिक रूप से हम पर निर्भर है। उसने एक तरह से तय कर दिया कि सीमित संख्या में भारतीय ही रह सकते हैं, बाकी वापस लौट जाएं। इससे लाखों भारतीय नागरिकों के लिए मुश्किल पैदा हो गई है। आखिर सरकार क्या कर रही थी? सिंघवी ने दावा किया, ''अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की मानहानि हो रही है। सरकार भारत के उन वर्गों पर प्रहार कर रही है जो अपनी काबिलियत से देश का नाम रोशन करते हैं। इन सबके बीच सरकार के पास न हल है, न कोई नीति। बेरोजगारी के संदर्भ में कांग्रेस नेता ने कहा, ''रोजगार के आंकड़े सबको पता है। पिछले वित्त वर्ष में 40.4 करोड़ रोजगार थे। इस वर्ष में 37.4 करोड़ रोजगार हैं। कोरोना के बाद अकेले अप्रैल में 12 करोड़ रोजगार का नुकसान हुआ है । उन्होंने कहा, '' मई-जून में मनरेगा के कारण रोजगार का आंकड़ा 7 करोड़ बढ़ा है। इनमें से अधिकांश किसान, दिहाड़ी मजदूर आदि हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोविड-19: कर्नाटक के मंत्री का बयान- उम्मीद नहीं थी कि इतने मामले बढ़ेंगे

बेंगलुरू। कर्नाटक के चिकित्सा शिक्षा मंत्री के. सुधाकर ने बुधवार को कहा कि शहर में कोविड-19 के मामलों जो वृद्धि हो रही है, उसके जुलाई के अंत तक होने की संभावना थी, लेकिन डरने की कोई बात नहीं है क्योंकि सरकार स्थिति से निपटने को तैयार है। सुधाकर ने कहा, '' बेंगलुरू में लॉकडाउन में छूट देते समय हमें पता था कि मामले (कोविड-19) बढ़ेंगे, लेकिन हमें जो सूचना मिली थी उससे इनके इतना बढ़ने का अंदाजा नहीं था। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''इतने मामले जुलाई के अंत तक आने की उम्मीद थी, लेकिन यह थोड़ा पहले हो रहा है। चिंता की कोई बात नहीं है, हम सभी एहतियाती कदम उठा रहे हैं और किसी को कोई चिंता करने की जरूरत नहीं है। राज्य में सात जुलाई की शाम तक कोविड-19 के 26,815 पुष्ट मामले थे, जिनमें से 416 लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया और 11,098 लोग ठीक हो चुके हैं। इनमे से 11,316 मामले बेंगलुरू शहर के हैं। राज्य में मंगलवार को सामने आए 1498 नए मामलों में से करीब 800 बेंगलुरू शहर से थे।

गुड़ा सलाथीयाँ में बिजली-पानी को लेकर हाहाकार, ग्रामीणों ने विभाग के खिलाफ सडक़ों पर उतरने की दी चेतावनी

साम्बा । बिजली-पानी की अनियमित आपूर्ति के चलते मची हाहाकार के चलते गुड़ा सलाथीयाँ के ग्रामीणों ने मंगलवार को शिव मंदिर परिसर में एक बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर लोगों ने इलाके में बिजली और पीने के पानी की हालत पर रोष जताया और कहा कि कि गांव गुड़ा सलाथीयाँ में गर्मियों के शुरू होते ही बिजली और पानी की जबरदस्त किल्लत चल रही है। स्थानीय निवासी पंकज सलाथिया ने बताया कि इलाके में 7 टयूबवेल हैं लेकिन एक-आध ही चालू हालत में है जिसके चलते लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है। इसके अलावा बन कर तैरूार पड़े ओएचटी में बीते एक साल से पानी तक नहीं भरा गया है। अन्य लोगों ने भी बताया कि संबंधित विभागों व प्रशासन को कई बार अवगत कराने के बावजूद भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर तीन दिन के अंदर बिजली और पीने के पानी की समस्या का हल नहीं किया गया तो यह लोग बिजली विभाग और जल शक्ति विभाग के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन करेंगे तथा सडक़ों पर उतरेंगे। इनका कहना था कि पिछले दो महीनों से बिजली की भारी कटौती चल रही है और पीने के पानी की किल्लत बनी हुई है।जिस कारण लोगों को पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसना पड़ रहा है। जिस कारण लोगों को पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसना पड़ रहा है। जिस कारण लोगों को पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसना पड़ रहा है। इस मौके पर बिशंभर सिंह, अवतार सिंह, बंटू सलाथिया, हरजिंद्र सिंह, आशा सिंह, रघुराज सलाथिया, विक्की सलाथिया, शेखर सलाथिया,मंगा सलाथिया आदि मौजूद थे।

इंदिरा और राजीव गांधी ट्रस्ट जांच के घेरे में

गृह मंत्रालय ने जांच कमेटी बनाई, मोदी नहीं समझेंगे कि सच के लिए लड़ने वालों को डराया नहीं जा सकता : राहुल गांधी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राजीव गांधी फाउंडेशन एंड चेरिटबल और इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट की जांच के आदेश दिए हैं। होम मिनिस्ट्री ने इसके लिए एक इंटर मिनिस्ट्रियल कमेटी भी बनाई है। यह कोऑर्डिनेशन करेगी। जांच की अगुआई ईडी के एक स्पेशल डायरेक्टर करेंगे। इस बात का पता लगाया जाएगा कि गांधी परिवार से जुड़े इन दोनों ट्रस्टों ने नियमों का उल्लंघन तो नहीं किया। कुछ दिन पहले भाजपा ने आरोप लगाया था कि राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास से चंदा यानी डोनेशन मिला था। सरकार के इस फैसले के बाद पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। राहुल ने ट्विटर पर कहा कि पीएम मोदी को लगता है कि पूरी दुनिया उनके जैसी ही है। उन्हें लगता है हर किसी की क़ीमत होती है या डराया जा सकता है। वो कभी नहीं समझेंगे कि जो सच के लिए लड़ते हैं, उन्हें खरीदा और डराया नहीं जा सकता। श्री मोदी को लगता है कि पूरी दुनिया उन के जैसी ही है। उन्हें लगता है हर किसी की क़ीमत होती है या डराया जा सकता है। वो कभी नहीं समझेंगे कि जो सच के लिए लड़ते हैं, उन्हें ख़रीदा और डराया नहीं जा सकता। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुल तीन ट्रस्टों की जांच होगी। ये हैं- राजीव गांधी फाउंडेशन, राजीव गांधी चेरिटबल ट्रस्ट और इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट। आरोप हैं कि इन ट्रस्टों ने नियमों का उल्लंघन किया। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉड्रिंग एक्ट और इन्कम टैक्स के नियमों को भी तोड़ने के आरोप हैं। जानकारी के मुताबिक, एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट के एक स्पेशल डायरेक्टर इस जांच टीम की अगुआई करेंगे। कुछ दिन पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आरोप लगाए थे कि राजीव गांधी फाउंडेशन को चीन से चंदा मिला। कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि भाजपा चीन से जारी सीमा विवाद के मुद्दे से ध्यान हटाने के लिए इस तरह के आरोप लगा रही है। होम मिनिस्ट्री के एक अफसर ने कहा- एक इंटर मिनिस्टीरियल कमेटी जांच के दौरान कोऑर्डिनेशन करेगी। पीएमएलए, इन्कम टैक्स एक्ट और एफसीआरए एक्ट के उल्लंघन का पता लगाया जाएगा। ईडी के स्पेशल डायरेक्टर जांच टीम को लीड करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए 21 जून 1991 को सोनिया गांधी ने इसकी शुरुआत की थी। फाउंडेशन एजुकेशन, साइंस एंड टेक्नोलॉजी के प्रमोशन, शोषित (अंडरप्रिवलेज्ड) और दिव्यांगों के एम्पावरमेंट के लिए काम करती है। इसका कामकाज डोनेशन से मिलने वाली रकम से चलता है। सोनिया इसकी चेयरपर्सन हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अलावा राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और पी. चिदंबरम ट्रस्टी हैं। चीन के मुद्दे पर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर सवाल उठाए थे। जवाब में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजीव गांधी फाउंडेशन और चीन का लिंक बता दिया। नड्डा ने गुरुवार को कहा था कि 2005-06 में राजीव गांधी फाउंडेशन को चीन से 3 लाख डॉलर (तब 90 लाख रुपए) मिले थे। इसके बदले फाउंडेशन ने चीन के साथ फ्री ट्रेड को बढ़ावा देने वाली स्टडी करवाईं। नड्डा ने आज कहा कि यूपीए के समय सरकारी फंड का पैसा भी राजीव गांधी फाउंडेशन को डायवर्ट किया गया था।

मैं हर विभाग का मंत्री हूं और सरकार सुचारु रूप से काम कर रही है :सीएम शिवराज

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजनीति इन दिनों उफान पर हैं। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद देश भर की निगाहें विभागों के बंटवारे पर टिकी हुई है। इसे लेकर सीएम शिवराज सिंह चौहान ने स्पष्ट कर दिया है कि विभागों के बंटवारे को लेकर कोई खींचतान नहीं है। बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नवनियुक्त मंत्रियों को विभागों के वितरण में देरी क्यों हो रही है के सवाल पर शिवराज सिंह ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मैं हर विभाग का मंत्री हूं और सरकार सुचारू रूप से काम कर रही है। मंत्रिमंडल की कल(गुरुवार) को बैठक होने वाली है। सब कुछ कल ही होगा। दरअसल कैबिनेट विस्तार के 6 दिन बीत जाने के बाद भी कौन सा मंत्रालय किसे दिया जाए ये तय नहीं हो पाया है। माना जा रहा है कि विभागों के बंटवारे को लेकर सिंधिया खेमें और शिवराज सिंह के बीच कशमकश चल रही है। बताया जा रहा है कि जहां ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने समर्थक पूर्व विधायकों को प्रमुख विभाग दिलाना चाहते हैं तो वहीं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को प्रमुख विभाग दिलाना चाहते हैं तो वहीं, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान चाहते हैं कि मुख्य विभाग उनके करीबी नेताओं के पास रहें। वहीं बीजेपी में पहले से स्थापित चेहरों की नाराजगी दूर करना भी पार्टी के लिए बड़ी समस्या है। यही वजह है कि कैबिनेट में मंत्रिमंडल के बंटवारे को लेकर सभी की निगाहे इंतजार में हैं।

गलवान में टकराव वाले पॉइंट-15 से भारत और चीन की सेनाएं पीछे हटीं, गोगरा और हॉट स्प्रिंग में प्रोसेस जारी

नई दिल्ली। गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच झड़प के 23 दिन बाद अब यहां हालात ठीक हो रहे हैं। सेना ने बुधवार को बताया, पेट्रोलिंग पॉइंट 15 से दोनों देशों की सेनाएं पीछे हट गई हैं। चीन की सेना करीब दो किमी पीछे हटी है। उधर, हॉट स्प्रिंग और गोगरा इलाके में भी सेनाएं पीछे हट रही हैं और यह प्रक्रिया कुछ दिनों में पूरी हो जाएगी। ऐसा बताया गया था कि चीन ने इन पॉइंट्स पर रविवार से अपने ढांचे गिराने भी शुरू कर दिए थे। तनाव कम करने पर जो सहमति बनी थी, उसके मुताबिक दोनों सेनाएं टकराव वाले पॉइंट्स से एक से डेढ़ किलोमीटर पीछे हटेंगी। गलवान झड़प के बाद दोनों देशों के बीच सेना के अफसरों के बीच कई दौर की बात हुई, लेकिन सहमति नहीं बन आई। इसके बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल की चीन के विदेश मंत्री मंत्री वांग यी से वीडियो कॉल पर दो घंटे चर्चा की। बातचीत के कुछ ही घंटे बाद चीन ने सेना वापस बुलाने का फैसला लिया। भारत और चीन के बीच पॉइंट पीपी-14, पीपी-15, हॉट स्प्रिंग्स और फिंगर एरिया में सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल की चीन के विदेश मंत्री मंत्री वांग यी से वीडियो कॉल पर दो घंटे चर्चा की। बातचीत के कुछ ही घंटे बाद चीन ने सेना वापस बुलाने का फैसला लिया। भारत और चीन के बीच पॉइंट पीपी-14, पीपी-15, हॉट स्प्रिंग्स और फिंगर एरिया में भी विवाद है। इन इलाकों से भी सैनिक पीछे हटने शुरू हो गए हैं। बॉर्डर पर शांति रखने और रिश्तों को आगे बढ़ाने के लिए दोनों देशों को आपस में तालमेल रखना चाहिए। अगर विचार मेल नहीं खाएं तो विवाद खड़ा नहीं करना चाहिए। एलएसी पर सेना हटाने और डी-एस्केलेशन की प्रोसेस जल्द से जल्द पूरी की जाए। यह काम फेज वाइज किया जाए। दोनों देश एलएसी का सम्मान करें और एकतरफा कदम नहीं उठाएं। भविष्य में सीमा पर माहौल बिगाड़ने वाली घटनाएं रोकने के लिए मिलकर काम करें। एनएसए डोभाल और चीन के विदेश मंत्री आगे भी बातचीत जारी रखेंगे, ताकि दोनों देशों के समझौतों के मुताबिक सीमा पर शांति रहे और प्रोटोकॉल बना रहे। भारत-चीन के बीच 15 जून को गलवान में हुई झड़प में 20 भारतीय जवान शहीद हो गए थे। चीन के भी 40 सैनिक मारे गए, लेकिन उसने यह कबूला नहीं।

देश की पहली कोरोना वैक्सीन का ट्रायल इस शख्स पर, बोला- देश पहले फिर जान

नेशनल डेस्क। कोरोना वायरस से लड़ने के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक कंपनी मिलकर दवा तैयार की जिसे 15 अगस्त को लॉन्च करने का दावा किया जा रहा है। वहीं इस वैक्सीन का ह्यूमन ट्रायल जल्द होने जा रहा है। जिस शख्स पर इस वैक्सीन का सबसे पहले ट्रायल होगा, उसका नाम चिरंजीत धीबर बताया जा रहा है। चिरंजीत धीबर पेशे से स्कूल टीचर हैं। चिरंजीत पर यह ट्रायल भुवनेश्वर सेंटर में होगा। चिरंजीत ने अपने फेसबुक पेज पर वैक्सीन ट्रायल की खबर की पुष्टि की है। चिरंजीत ने लिखा कि संघ की प्रेरणा से ही मैंने अपने शरीर को देश के लिए दान करने का विचार किया। चिरंजीत ने खुद ही वैक्सीन ट्रायल के लिए आवेदन किया था। रविवार को उनको केंद्र से फोन आया कि उनका चुनाव क्लीनिकल ट्रायल के लिए हो गया है। उनको भुवनेश्वर आने के लिए बोला गया है। चिरंजीत ऋस्स की अनुषांगिक संगठन अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की प्राथमिक इकाई के राज्यस्तरीय कमेटी में सदस्य हैं। चिरंजीत के माता-पिता इस ट्रायल के तैयार नहीं थे। उन्होंने इसका काफी विरोध किया लेकिन आखिरकार चिरंजीत ने उनको समझाया और कहा कि इस वक्त देश संकट में है और किसी न किसी को तो आगे आना होगा। बता दें कि देशभर के बता दें कि देशभर के 12 संस्थानों को चुना गया है जहां टीके का क्लीनिकल ट्रायल होना है। इस वैक्सीन का ट्रायल उन्हीं लोगों पर होगा जो अपनी मर्जी से इसके लिए तैयार हुए हैं। वैक्सीन दे पर यह देखा जाएगा कि इसका कोई साइड इफेक्ट तो नहीं हो रहा। ट्रायल सिर्फ 18 से 55 साल तक की उम्र के लोगों पर होगा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अमेरिका में विदेशी छात्र

कोरोना महामारी ने अमेरिकी समाज और उसके शासन से जुड़े कई मिथकों को ध्वस्त किया है। अमेरिका की केंद्रीय आव्रजन संस्था 'इमिग्रेशन ऐंड कस्टम्स एनफोर्समेंट' (आईसीई) का ताजा फैसला इसका नया उदाहरण है। आईसीई ने सोमवार को फरमान सुनाया कि अमेरिका में पढ़ रहे उन तमाम विदेशी छात्रों को देश छोड़ना पड़ेगा, जिनकी यूनिवर्सिटी ने आगामी सेमेस्टरों में ऑनलाइन पढ़ाई की व्यवस्था मुकम्मल कर ली है। यदि इसके बावजूद कोई छात्र अमेरिका में टिका रहा, तो उसे जबरन बाहर किया जाएगा। जाहिर है, इस फैसले का असर लाखों विदेशी विद्यार्थियों पर पड़ेगा। खासकर भारत और चीन के छात्र इससे सर्वाधिक प्रभावित होंगे, क्योंकि सबसे ज्यादा इन्हीं दोनों देशों के विद्यार्थियों की तादाद है। यही नहीं, उन हजारों विद्यार्थियों के आगे भी फिलहाल अनिश्चितता की स्थिति पैदा हो गई है, जो सितंबर से नए अकादमिक-सत्र में भाग लेने के लिए अमेरिका पहुंचने वाले थे। इसमें कोई दोराय नहीं कि इस महामारी से निपटने में प्रशासनिक कमियों को लेकर अमेरिकी समाज में अंदरखाने काफी उबाल है। जल्द ही वहां राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में, ट्रंप प्रशासन अमेरिकी अवाम को अब यह दिखाना चाहता है कि उसे सिर्फ उनका ख्याल है। महामारी के बाद वह वीजा नियमों में कई बदलाव कर चुका है। मगर हकीकत यह है कि दुनिया में सबसे अधिक जान-माल का नुकसान उठाने के बावजूद अमेरिकी सत्ता प्रतिष्ठानों में कोरोना से निपटने को लेकर अब भी समन्वय की भारी कमी है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट महामारी के सवाल पर आज भी अलग-अलग नजरिया रखते हैं। चिकित्सा विशेषज्ञ लगातार आगाह कर रहे हैं कि अमेरिका की स्थिति बेहद गंभीर है, और यह महामारी के बीचोबीच खड़ा है, पर राष्ट्रपति ट्रंप के बेहद करीबी लोग ही संक्रमण से बचाव के मान्य उपायों का मजाक उड़ाते फिर रहे हैं। वे मास्क पहनने की अनिवार्यता की भी खिल्ली उड़ाने से बाज नहीं आ रहे, जबकि ठोस नजीर सामने हैं कि जापान, दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने कैसे मास्क और फिजिकल डिस्टेंसिंग के जरिए इस घातक वायरस के प्रसार को काबू करने में सफलता पाई है। मगर सच्ची कोशिश और प्रतीकात्मक लड़ाई अमेरिकी समाज के दोहरेपन को अक्सर दुनिया के सामने ले आती रही है। कोरोना महामारी ने एक बार फिर इसे उजागर कर दिया है। ठीक है, हर सरकार अपने नागरिकों के हितों का ख्याल सबसे ऊपर रखती है, पर उसका यह भी फर्ज है कि अपनी भौगोलिक सीमा में दूसरे देशों के बाशिंदों के मानव अधिकारों की भी वह रक्षा करे। वैसे भी, ये विद्यार्थी शरणार्थी नहीं हैं, जिन्हें अमूमन हर देश एक बोझ समझता है। ये वे विद्यार्थी हैं, जिनसे अमेरिकी विश्वविद्यालयों ने मोटी फीस वसूली है। एक ऐसे वक्त में, जब अंतरराष्ट्रीय सरहदें बंद हैं, तमाम उड़ानें रद्द हैं, ट्रंप प्रशासन को इन विदेशी छात्रों को उनके मुल्क तक सुरक्षित पहुंचाने की व्यवस्था करनी चाहिए। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उच्च शिक्षा उद्योग का अच्छा-खासा योगदान है। उसे सालाना करीब 37 अरब डॉलर की कमाई इससे हो रही है। मुश्किल समय के ऐसे आचरण भावी विद्यार्थियों को उससे विमुख भी कर सकते हैं। बहरहाल, इस नई स्थिति में देशों और सरकारों के लिए भी एक सबक है, अपने यहां ज्यादा से ज्यादा विश्व-स्तरीय संस्थान खड़े कीजिए।

राहत को आर्थिक तुष्टीकरण बनाना अनुचित

गुरबचन जगत

तीस जून को सरकार ने हमारे गरीब भाई-बहनों को कोविड-19 महामारी के दृष्टिगत और कुछ महीने राशन सामग्री जारी रखने की घोषणा की है। जाहिर है यह मात्रा बहुत बड़ी है। उक्त निर्णय भली नीयत के साथ जनता को राहत देने वाला है। विश्वास है कि केंद्र सरकार की इस घोषणा के बाद गैर-भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी इसका अनुसरण करेंगे। पिछले कई सालों में कोई भी मौका बनने पर मुफ्त राहत सामग्री देने का चलन पैदा हो गया है, फिर चाहे अवसर प्राकृतिक आपदा का हो या चुनाव का, यहां तक कि किसी विशेष समस्या के बिना भी घोषणा कर दी जाती है। नतीजतन अब जब कभी भी कुछ घटित होता है तो लोगों की ओर से पैसे, अन्न-दाल इत्यादि के लिए मांग होनी शुरू हो जाती है। देखना यह है कि इसमें जरूरतमंदों के हाथ में वास्तव में कितना पहुंचता है? आपदा के समय राहत देना एकदम न्यायोचित है लेकिन इसे आर्थिक तुष्टीकरण की नीति बनाना सही नहीं है। राहत किस किस्म की हो और कब, इस पर विचार होना चाहिए। आपात स्थिति बनने पर जहां हमारी सरकारों का ध्यान आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को न्यूनतम जरूरत का दाल-चावल देने पर लगा होता है वहीं पश्चिमी जगत में सरकारें बेरोजगारों और प्रभावित हुए व्यवसायियों के हाथ में गुजारे लायक पैसा बना रहे, इस पर अपना ध्यान केंद्रित करती हैं। कोविड-19 महामारी के कारण किए गए निष्ठुर लॉकडाउन ने हमारी आर्थिकी को करारा झटका दिया है और मंतव्य संभालने में नाकामयाबी से अर्थव्यवस्था को दुबारा पटरी पर लाने के लिए बहुत ज्यादा प्रयास करने पड़ेंगे। हमारे सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली मात्र 1 प्रतिशत की कमी से ही असंख्य परिवार गरीबी की गर्त में और नीचे धंस जाएंगे। मौजूदा चोट पहले से कमजोर पड़ी अर्थव्यवस्था के समय में पड़ी है। बृहद सवाल पर आएं तो जब कोई आपदा न हो तब खैरात बांटना क्यों जरूरी होता है? यह कृत्य हमारी नीतियों में बड़े बदलाव का हिस्सा बन गया है और राजनेताओं को जब कभी जनता को पुचकारना हो या चुनावों में वोट बटोरने हों तो मुफ्त चीजों की घोषणा कर देते हैं। देश के आर्थिक परिदृश्य में सार्थक सुधार करने की बजाय नेताओं के लिए यह पत्ता खेलना ज्यादा आसान होता है। पिछले 72 सालों के दौरान हम ऐसा कारगर कृषि-औद्योगिक ढांचा बनाने में विफल रहे हैं जो देशवासियों के लिए रोजगार और विकास सुनिश्चित कर सके। मुद्दा चाहे राष्ट्रीय सुरक्षा का हो या विकास एवं रोजगार का, हम एक राष्ट्रीय नीति बनाने में असफल रहे हैं। हम अपनी बजट प्रक्रिया को जरूरत से ज्यादा महत्व देते हैं जबकि बजट का काम केवल विभागों को धन का प्रावधान करना है। विगत में हमने पंचवर्षीय योजनाएं बनाई हैं, मिश्रित अर्थव्यवस्था का प्रयोग किया है। इस दौरान विपक्षी दल निजी क्षेत्र को और ज्यादा भूमिका देने की मांग करते रहे जबकि देश की आर्थिक राजधानी मुंबई का 'द बॉम्बे क्लब' यानी कुछ बहुत बड़े सरमाएदारों का समूह देश के मुख्य क्षेत्रों पर बने अपने एकाधिकार से खुश था। वर्ष 2014 में नई सरकार के गठन के साथ लगा था कि आखिर देश में निजीकरण के दिन आ गए हैं। हालांकि इसे लागू करने वालों को अंदाजा नहीं था कि यहां भी मायूसी मिलने वाली है, क्योंकि आरंभिक शोरगुल के बाद समाजोन्मुखी आर्थिक नीतियां फिर से अपनानी पड़ीं और धरातल पर विशेष बदलाव नहीं हुए सिवाय इसके कि 'बॉम्बे क्लब' की जगह धीमे से एक अन्य कुलीन गुट को स्थापित कर दिया गया, जिसने सरकार की मदद से देश के टेलीकॉम, सौर ऊर्जा, तेल, बिजली, दृश्य एवं प्रिंट मीडिया इत्यादि क्षेत्रों में लगभग एकाधिकार बना लिया है। तो आज हम जहां हैं वहां पाते हैं कि एक ओर समाजवाद की बात करने वाले और कुलीन गुट है, जिसके साथ एक मजबूत केंद्रीकृत सरकार है तो दूसरी ओर वह जनता है जो आम स्थितियों में भी आर्थिक मदद और वस्तु रूपी खैरात की आस रखती है। चुनावों से पहले तो इसमें अतिरिक्त दरकार जुड़ जाती है। हम इस खैरात संस्कृति को कैसे बदल सकते हैं? इसके लिए नए संस्थागत उपाय किए जाएं और मौजूदा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए। प्रगति के लिए सबसे मूलभूत जरूरत है अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण एवं शहरी विकास तंत्र और एक ऐसी न्याय व्यवस्था जो यथेष्ठ समय में फैसले दे सके। आज याचिकाकर्ता को अदालती फैसले के लिए अंतहीन इंतजार करना पड़ता है, लिहाजा हमारा न्यायिक ढांचा ऐसा बनकर रह गया है, जिसमें अंतर्निहित अक्षमता की पैठ हो चुकी है, इस तरह तो हमारी अर्थव्यवस्था आधुनिक बनने से रही। समयबद्ध कानूनी फैसले होने चाहिए, न कि मुकदमे एक अदालत से दूसरी में फुदकते फिरें, तभी कहते हैं 'देर से मिला न्यायज अन्याय' है। आज देश के ग्रामीण अंचल में प्रभावी शिक्षा तंत्र लगभग कहने भर का है, खासकर उत्तर और मध्य भारत में, गोकि शिक्षा के मामले में दक्षिण भारत के विद्यालयों और कॉलेजों की स्थिति बेहतर है। अगर अमेरिका की सिलिकॉन वैली, अंतरिक्ष क्षेत्र और आईवी लीग यूनिवर्सिटियों में कार्यरत भारतीयों की संख्या को देखें, तो पाते हैं कि उनमें बहुत बड़ी संख्या में विशेषज्ञ दक्षिण भारत से आते हैं और उनमें लगभग सभी विदेशों में बसे हुए हैं। यही स्थिति कॉलेज और विश्वविद्यालयों में भी देखने को मिलती है जहां दक्षिण भारतीय आगे हैं। अनुसंधान एवं विकास पर हमारे उद्योग और विश्वविद्यालय ज्यादा समय और धन नहीं लगाते। समाज में कारगर स्वास्थ्य तंत्र एक बहुत बड़ी जरूरत है और हालिया घटनाक्रम ने सिद्ध कर दिया है कि मानव संसाधनों और ढांचागत सुविधाओं की कितनी बड़ी कमी है। वहन योग्य स्वास्थ्य देखभाल सभी नागरिकों को उपलब्ध होनी चाहिए, खासकर उनको जो समाज के निचले तबके में हैं। गरीबी के निचले पायदान के लोगों का कहना है कि यदि अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं मयस्सर हों तो हमारे बच्चे भी इस गुरबत से निकल सकते हैं। इसीलिए निजी सुख तजकर वे अपने बच्चों को पढ़ा रहे हैं। जिनकी माली हालत अच्छी है, वे अपने बच्चों को विदेशों में पढ़ने भेज देते हैं। अगर हम शिक्षा और स्वास्थ्य की समस्या से सही ढंग से निपट पाएं तो हम अपनी बहुत बड़ी अलामत यानी अनियंत्रित ढंग से बढ़ती आबादी पर लगाम लगा सकते हैं। लेकिन आज की तारीख में कोई भी राजनीतिक दल इस पर सख्ती से काम करने को राजी नहीं है। हालांकि अगर पढ़े-लिखे वर्ग पर नजर दौड़ाएं तो पाते हैं कि ज्यादातर परिवारों में एक या दो ही बच्चे हैं। इससे बच्चे को अच्छी शिक्षा और व्यावसायिक दर्जा पाने में खुद-ब-खुद आसानी हो जाती है। अगर हम इस समस्या पर आज से काम करना शुरू करें तब भी नतीजे आने में दो दशक लग जाएंगे। औद्योगिक क्षेत्र को फिर से सरकारी उपक्रम बनाने की बजाय मैदान को निजी क्षेत्र के लिए खुला छोड़ देना चाहिए और नए उद्यमियों को मदद देने के अलावा एकाधिकार बनाने पर रोक लगानी होगी। युवा भारतीय उद्यमियों को आगे आने का मौका देना होगा और उन्हें प्रोत्साहन दिया जाए ताकि वे अपना भविष्य विदेशों की बजाय देश में बनाना पसंद करें। स्थापित उद्योग-धंधा लंबे समय तक चलता है और इसमें विस्तार भी होता है। लेकिन इस क्षेत्र में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बनाई जाए। कृषि से आय को इतना आकर्षक बनाया जाए ताकि युवा खेती तजने की बजाय करना पसंद करें। फसल चक्र को क्षेत्रीय जरूरतों और मंडी के हिसाब से बनाया जाए। नई कृषि नीति को लेकर किसानों में बहुत-सी आशंकाएं पैदा हो गई हैं और उन्हें डर है कि सरकारी एजेंसियां खरीद करने मंडी में नहीं आएंगी और कृषक व्यापारियों के रहमोकरम पर छूट जाएगा। मूल्य निर्धारण का मुद्दा ऐसा है जो किसान के लिए सबसे बड़ी चिंता का कारण है। बिना जायज कारण मुफ्त की खैरात देने की प्रथा बंद होनी चाहिए। मदद केवल आपदा के समय दी जाए, दान में मिली सहायता संस्थागत व्यवस्थाओं के जरिए मिलने वाले संबल, जैसे कि उद्योग, कृषि विकास, तकनीक, शिक्षा और स्वास्थ्य का विकल्प नहीं हो सकती। जरूरी हुआ तो वृद्धि एवं विकास पर राष्ट्रीय नीति बनाने हेतु संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए। वैसे भी संसद की संस्थागत विधि को दरकिनार किया जा रहा है। अब संसद में बाकायदा बहस के बाद कानून बनाकर लागू करने की बजाय अध्यादेशों से काम चलाया जा रहा है।

लेखक यूपीएससी के अध्यक्ष एवं मणिपुर के राज्यपाल रहे हैं।

आज के ट्वीट

कोरोना

ब्राजील के राष्ट्रपति जाएर बोलसोनारो के कोरोना टेस्ट का नतीजा पॉज़िटिव आया है. यह वही सज्जन है जो कोरोना को सामान्य फ्लू का वायरस बता रहे थे. इनके 2 स्वास्थ्य मंत्री इस्तीफा दे चुके है. खुद को कोरोना हुआ तो राष्ट्रपति भवन,अस्पताल में बदल दिया. अब बता रहे है कोरोना बहुत खतरनाक है. -- अर्णव गोस्वामी

ज्ञान गंगा

संगत

सद्गुरु

ज्यादातर लोगों को जाने-अनजाने उनकी संगत ही गढ़ती है। हो सकता है कि उन्हें यह पता न चलता हो कि उन पर यह अकसर किस हद तक है। आपके ऊपर सिर्फ आपके परिवार और दोस्तों का ही नहीं, बल्कि सामान्य सामाजिक दायरे का भी असर पड़ता है। मैं तो कहूंगा कि आपके सामाजिक दायरे ने आपकी शख्सियत को नब्बे फीसद तक आकार दिया है। अपनी संगत चुनने का मतलब भेदभाव करना नहीं है, बल्कि सोच-समझकर फैसला करना है कि आप कहां और किनके साथ होना चाहते हैं। निश्चित रूप से ऐसे लोगों के बीच होना कोई अच्छी बात नहीं है, जिनका स्वभाव इतना बाध्यकारी (विवशता से भरा) है कि आप उन्हें एडिक्ट मान लें, चाहे उन्हें जिस भी चीज का एडिक्शन। आपकी पूरी कोशिश विवशता से चेतनता की ओर बढ़ना है। बहुत बाध्यकारी (विवशता से भरे) स्वभाव वाले लोगों के साथ रहना इसमें मददगार नहीं होता। आप अभी तक उस स्थिति तक नहीं पहुंचे हैं, जहां आप बहुत बाध्यकारी लोगों के बीच रहते हुए भी अपने सिस्टम के स्तर पर पूरी तरह चेतन और अप्रभावित रह सकें। आप खुद एडिक्ट हो भी सकते हैं और नहीं भी हो सकते। मुझे आशा है कि आप नहीं होंगे, लेकिन निश्चित रूप से यह कई रूपों में आप पर असर डालेगा। अगर बाहरी प्रभावों का कोई असर नहीं होता, तो कोई आश्रम बनाने की कोशिश क्यों करता? एक आध्यात्मिक स्थान का रखरखाव एक बहुत बड़ा सिरदर्द है, जो एक उफनते समुद्र में एक मीठे पानी का स्थान हो। एक ऐसे द्वीप की तरह उसे रखना, जो आस-पास घटित हो रही चीजों के असर से बचा रहे, बहुत मेहनत का काम है। आप चाहे जहां भी रहें, आपको अपना घर इस तरह बनाए रखना चाहिए कि वह आपके जीवन के मकसद के लिए समर्पित हो। आपके निजी स्थान को यह दर्शाना चाहिए कि आप किस दिशा में जाना चाहते हैं। इसमें किसी और के विवशता से भरे तौर-तरीके शामिल नहीं होने चाहिए। यह तब तक बहुत महत्वपूर्ण है, जब तक कि आप उस स्थिति तक नहीं पहुंच जाते हैं, जहां नर्क में जाने पर भी आप बिना उससे प्रभावित हुए बाहर आ सकें। सही तरह का स्पेस तैयार करना और जरूरत पड़ने पर नकारात्मक (बुरे) प्रभावों से दूर चले जाना आपके विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

खेती पर किसान का नियंत्रण बना रहे

अनुबंध कृषि की विसंगतियां/ राजेन्द्र चौधरी

जून, 2020 में जब देश कोरोना की महामारी से जूझ रहा था, तब भारत सरकार ने खेती में तीन बड़े कानूनी बदलाव अध्यादेश जारी करके कर दिए क्योंकि देर सवेर ये अध्यादेश संसद में पारित करने के लिए रखे जायेंगे, इसलिए इन पर पुनर्विचार करने का अभी भी एक मौका बाकी है। सब से महत्वपूर्ण है अनुबंध खेती अध्यादेश। आमतौर पर अनुबंध खेती का मतलब है कि बुआई के समय ही बिक्री का सौदा हो जाता है ताकि किसान को भाव की चिंता न रहे। परन्तु सरकार द्वारा पारित कानून में अनुबंध की परिभाषा को बिक्री तक सीमित न करके, सभी किस्म के कृषि कार्यों को शामिल किया गया है। इस तरह से परोक्ष रूप में कम्पनियों द्वारा किसान से ज़मीन लेकर खुद खेती करने की राह भी खोल दी है। धारा 2 एच द्वद्व के अनुसार कम्पनी किसान को किसान द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के लिए भुगतान करेगी। यानी किसान अपनी उपज की बिक्री न करके अपनी ज़मीन और अपने श्रम का भुगतान पायेगा। आज़ादी की लड़ाई के समय से यह मांग रही है कि खेती पर किसान का नियंत्रण रहे, न कि व्यापारियों का। इसलिए आज़ादी के बाद किसी व्यक्ति द्वारा रखी जाने वाली कृषि भूमि की अधिकतम सीमा तय कर दी गई। इससे पहले छोटू राम के काल में यह कानून बनाया गया था कि गैर-कृषक या साहूकार खेत और खेती के औजारों पर कब्ज़ा नहीं ले सकता। इन कानूनों का उद्देश्य यही था कि खेती पर चंद लोगों का अधिकार न होकर यह आम लोगों की आजीविका का साधन रहे। कोरोना काल ने इस नीति की ज़रूरत को फिर से रेखांकित किया है। अनुबंध पर खेती कानून ग्रामीण इलाकों के इस अंतिम सहारे को छीनने का क़ानून है। नए कानून को बनाने वाले भी इस बदलाव की भयावहता को जानते हैं। इसलिए इसे इसके असली नाम 'कम्पनियों द्वारा खेती' का नाम न देकर अनुबंध खेती का रूप दिया है। एक ओर धारा 8-ए में कहा गया है कि इस कानून के तहत ज़मीन को पट्टे पर नहीं लिया जा सकेगा, वहीं दूसरी ओर धारा 8-बी में भूमि पर कम्पनी द्वारा किये स्थाई चिनाई, भवन निर्माण या ज़मीन में बदलाव इत्यादि का ज़िक्र है। इसका स्पष्ट अर्थ है कि ज़मीन अनुबंध की अवधि के दौरान अनुबंध करने वाले के नियंत्रण में है। यानी कि खेती किसान नहीं, अनुबंध करने वाला कर रहा है। अन्य दो कानूनी बदलावों द्वारा सरकार ने कृषि क्षेत्र से नियमन, विशेष तौर पर मंडी कानून को बहुत हद तक ख़त्म कर दिया है। कई बार किसान भी यह सवाल उठाते हैं कि सरकार क्यों फसलों के मूल्य तय करती है। ऊपरी तौर पर यह बात ठीक भी प्रतीत होती है पर वास्तव में यह ठीक नहीं है। सरकार तो न्यूनतम बिक्री मूल्य निर्धारित करती है। कृषि में सरकारी नियमन कृषि की प्रकृति के कारण है। एक तो बुनियादी ज़रूरत होने के कारण भोजन की मांग में कीमत या आय बढ़ने पर ज्यादा बदलाव नहीं होता और दूसरा मौसम पर निर्भरता के कारण कृषि उत्पाद में बहुत ज्यादा बदलाव होते हैं। आपूर्ति में बहुत ज्यादा बदलाव और मांग का बेलचीला होने का परिणाम यह होता है कि

अगर बाज़ार के भरोसे छोड़ दिया जाए तो कृषि की कीमतों में बहुत ज्यादा बदलाव होते हैं। ऐसा न किसान के हित में होता है और न ग्राहक के हित में। जब फसल नष्ट होने के कारण कीमतें बढ़ती हैं तो जिस किसान की फसल ही नष्ट हो गई, उसको कोई फायदा नहीं होता और जब अच्छी पैदावार के कारण कीमतें इतनी घट जाती हैं कि खड़ी फसल की जुताई करनी पड़ती है तो भी किसान को कोई फायदा नहीं होता। इसलिए ही दुनिया भर में सरकारें कृषि बाज़ार का नियमन करती हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि कृषि मंडी की वर्तमान व्यवस्था में सुधार की ज़रूरत है। अभी भी सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य सभी जिंसों में और सभी इलाकों में नहीं मिलता, और ऐसा सरकार खुद मानती है। मंडी में किसानों को और भी कई तरह की दिक्कतें आती हैं, पर इसका इलाज़ कृषि मंडी नियमन को ख़त्म करने में नहीं है। इसका उपाय है मंडी कमेटी को किसानों के प्रति जवाबदेह बनाया जाए; उस में सभी हितधारकों के चुने हुए प्रतिनिधि हों, जैसा कि अब भी कानूनी प्रावधान है। अगर नियमन के बावजूद छोटे छोटे व्यापारियों और आढ़तियों से सरकार किसानों को नहीं बचा सकती, सरकारी खरीद का भी पैसा सीधे किसानों के खातों में नहीं पहुंचा सकती, तो अब जब बड़ी-बड़ी दैत्याकार वाली विशाल देशी-विदेशी कम्पनियां बिना किसी सरकारी नियंत्रण या नियमन के किसान का माल खरीदने लगेंगी तो फिर किसान को कौन बचाएगा? जब संपन्न किसान अनाज मंडी से बाहर चला जाएगा, तो सरकारी स्कूलों की तरह अनाज मंडियां भी बंद होने लग जायेंगी, और फिर छोटे, आम किसान के लिए कोई राह नहीं बचेगी।

हाजिर मांग और वैयविक संकेतों से चांदी वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। मजबूत हाजिर मांग और वैश्विक संकेतों के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा कारोबार में बुधवार को चांदी की कीमत 129 रुपये की तेजी के साथ 50,331 रुपये प्रति किग्रा हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के सितंबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 129 रुपये अथवा 0.26 प्रतिशत की तेजी के साथ 50,331 रुपये प्रति किग्रा हो गयी जिसमें 12,338 लॉट के लिए कारोबार हुआ।बाजार विश्लेषकों ने कहा कि चांदी वायदा कीमतों में तेजी आने का कारण घरेलू बाजार में मजबूती के रुख को देखते हुए कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली करना था। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में, चांदी की कीमत 0.03 प्रतिशत की तेजी के साथ 18.70 डॉलर प्रति औंस हो गई। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि चांदी वायदा कीमतों में तेजी आने का कारण घरेलू बाजार में मजबूती के रुख को देखते हुए कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली करना था। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में, चांदी की कीमत 0.03 प्रतिशत की तेजी के साथ 18.70 डॉलर प्रति औंस हो गई।

कमजोर मांग से कच्चातेल वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। कमजोर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया जिससे वायदा कारोबार में बुधवार को कच्चातेल की कीमत 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,046 रुपये प्रति बैरल रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चातेल के जुलाई माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 17 रुपये अथवा 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,046 रुपये प्रति बैरल रह गई जिसमें 5,109 लॉट के लिए कारोबार हुआ। कच्चातेल के अगस्त माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 24 रुपये अथवा 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,061 रुपये प्रति बैरल रह गई जिसमें 140 लॉट के लिए कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चातेल की कीमत 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 40.61 डॉलर प्रति बैरल रह गई, जबकि ब्रेंट क्रूड की कीमत 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 43.16 डॉलर प्रति बैरल हो गई।

हाजिर मांग स धनिया वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार में मजबूती के रुख को देखते हुए सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा कारोबार में बुधवार को धनिया की कीमत 22 रुपये की तेजी के साथ 6,234 रुपये प्रति क्विन्टल हो गयी। एनसीडीईएक्स में धनिया के जुलाई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 22 रुपये अथवा 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,234 रुपये प्रति क्विन्टल हो गयी जिसमें 1,885 लॉट के लिए कारोबार हुआ। धनिया के अगस्त महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 10 रुपये अथवा 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,290 रुपये प्रति क्विन्टल हो गयी जिसमें 2,435 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में मजबूती के रुख तथा उत्पादक क्षेत्रों से सीमित आपूर्ति होने के कारण मुख्य रूप से वायदा कारोबार में धनिया कीमतों में तेजी दर्ज हुई।

ताजा सौदों की लिवाली से तांबा वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर मांग में तेजी के कारण वायदा कारोबार में बुधवार को तांबा की कीमत 0.44 प्रतिशत की तेजी के साथ 477.25 रुपये प्रति किग्रा हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में तांबा के जुलाई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 2.10 रुपये अथवा 0.44 प्रतिशत की तेजी के साथ 477.25 रुपये प्रति किग्रा हो गयी जिसमें 6,589 लॉट के लिए कारोबार हुआ । बाजार विश्लेषकों ने तांबा वायदा कीमतों में तेजी आने का श्रेय, हाजिर मांग में तेजी के कारण कारोबारियों द्वारा अपने सौदों के आकार बढ़ाने को दिया।

चीन में बैंकों में पैसा डूबने के डर से भारी निकासी कर रहे ग्राहक, इसे रोकने को ड्रैगन लाया नया प्लान

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने नई व्यवस्था के तहत ऐलान किया है कि खुदरा या बिजनेस क्लाइंट्स को किसी भी तरह की निकासी या जमा पर पहले से विस्तृत जानकारी देनी होगी। ये व्यवस्था फिलहाल दो साल के लिए शुरू कीश गई है और इसका विस्तार झेजियांग और शेन्जेन में भी किया जाएगा। चीन के इस फैसले से करीब सात करोड़ लोगों पर असर पड़ेगा। ऐसा माना जा रहा है कि कोरोनावायरस महामारी की वजह से बैंकों के फंसे हुआ कर्ज बढ़ने की वजह से पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने यह कदम उठाया है। कई मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि इस साल चीन की आर्थिक वृद्धि पिछले चार दशकों में सबसे धीमी रह सकती है। ऐसे में चीन के बैंकों में फंसे हुए कर्ज में तेज वृद्धि हो रही है। हुबेई और शानक्सी में स्थित दो स्थानीय बैंकों से जब ग्राहक बड़े पैमाने पर निकासी कर रहे थे, तो उसे रोकने के लिए अधिकारियों को हस्तक्षेप करना पड़ा। चीन ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि व्यवस्थागत जोखिम को काबू करने के लिए इस पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई है। इस प्रोजेक्ट के तहत किसी कारोबारियों को पांच लाख युआन यानि कि 53,26,100 रुपए से ज्यादा के ट्रांजेक्शन पर जानकारी देनी होगी। इसके अलावा आम लोगों को एक लाख युआन से तीन लाख युआन यानि कि दस लाख से लेकर 30 लाख तक कीट्रांसजैक्शन पर जानकारी देनी होगी। ट्रांसजैक्शन पर जानकारी देनी होगी। हालांकि इस बयान में यह नहीं कहा गया है कि इस तय राशि से ज्यादा राशि होने पर क्या उसे खारिज कर दिया जाएगा।

कोरोना का अर्थव्यवस्था पर कड़ा प्रहार, रघुराम राजन - दिख रहे हैं सुधार के हल्के संकेत

बिजनेस डेस्क। कोरोना वायरस ने दुनियाभर की अर्थव्यवस्था पर कड़ा प्रहार किया है। इस मामले पर आरबीआई पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने एक इंटरव्यू में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार के हल्के संकेत दिखाई दे रहे हैं। उनका कहना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोरोना का बड़ा असर देखने को मिला है, जिसकी वजह से आर्थिक ग्रोथ में तेज गिरावट आई है। हालांकि, अब सुधार के हल्के संकेत मिल रहे हैं। रघुराम राजन अभी शिकागो बूथ स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स में प्रोफेसर हैं। राजन को आर्थिक मामलों की जबर्दस्त समझ है। वे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के मुख्य अर्थशास्त्री रह चुके हैं। उन्होंने 2008 में आए वैश्विक वित्तीय संकट के बारे में पहले ही बता दिया था। साल 2003 से 2006 तक आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री रह चुके हैं। उसके बाद उन्हें भारत में केंद्र सरकार ने अपना आर्थिक सलाहकार बनाया था। आपको बता दें कि कोविड-19 से प्रभावित अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए भारतीय सरकार की ओर से दिए गए 20 लाख करोड़ रुपए के पैकेज को नाकाफी बताया था।

रोजगार गतिविधियां जून में 33 प्रतिशत बढ़ी: रपट

मुंबई। जून में रोजगार गतिविधियों मे सालाना आधार पर जहां गिरावट रही, वहीं मई से तुलना करने पर इसमें 33 प्रतिशत की बढ़त रही। यह जानकारी नौकरी डॉट कॉम के मासिक रोजगार सूचकांक में सामने आयी है। रोजगार के संबंध में ऑनलाइन सूचनाएं देने वाली कंपनी नौकरी डॉट कॉम का जून का 'नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स' 1208 अंक पर रहा। जबकि मई में यह 910 था। यह पिछले महीने की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है, लेकिन सालाना आधार पर 44 प्रतिशत नीचे ही है। कोविड-19 संकट के चलते देशभर में लॉकडाउन की वजह से रोजगार गतिविधियों पर असर पड़ा है। हालांकि आठ जून के बाद से जारी लॉकडाउन में छूट की वजह से हालात थोड़े सुधर रहे हैं। कंपनी यह सूचकांक रपट उसके मंच पर उपलब्ध नौकरी की सूचनाओं के आकलन से तैयार करती है। रपट में कहा गया है कि कोविड-19 में सबसे अधिक रोजगार आतिथ्य, खुदरा और वाहन क्षेत्र में प्रभावित हुआ है। लेकिन जून में अर्थव्यवस्था को फिर से खोलने 'अनलॉक 1.0' से मई के मुकाबले आतिथ्य क्षेत्र में 107 प्रतिशत और खुदरा एवं वाहन क्षेत्र में 77 प्रतिशत तक का सुधार देखा गया है। नौकरी डॉट कॉम के मुख्य कारोबार अधिकारी पवन गोयल ने कहा कि देश में 'अनलॉक 1.0' की शुरुआत के बाद से रोजगार परिदृश्य में मासिक आधार पर हो रहा सुधार प्रोत्साहित करने वाला है।

चीन से आयात फार्मा कंपनियों को पड़ा महंगा! देना पड़ा 2 करोड़ रुपए का अतिरिक्त शुल्क

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चीन से आयात होने वाले सामान का बारीकी से निरीक्षण किया जा रहा है लेकिन इन्हीं सब के बीच कुछ कंपनियों को देरी के चलते दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। फार्मास्युटिकल कंपनियों का आरोप है कि उन्हें चीन की उन खेपों पर भारी विलम्ब शुल्क का सामना करना पड़ रहा है जो एयरपोर्ट्स पर बिना किसी गलती के फंसी हुई हैं। हालांकि कस्टम विभाग द्वारा चीन से आने वाले कुछ दवा कंटेनर को मंजूरी दी गई है। फार्मा कंपनियों का कहना है कि करीब 200 टन कच्चा माल एयरपोर्ट पर फंसा हुआ है। इकोनॉमिक टाइम्स में छपी खबर के मुताबिक, फार्मा उद्योग के प्रतिनिधियों ने कहा कि कुछ प्रमुख दवा कंटेनर जिनमें विटामिन और कुछ महत्वपूर्ण दवाओं आदि की खेप है जिन्हें अभी तक मंजूरी नहीं मिली है। उसके साथ ही पोर्ट अथॉरिटी देरी के लिए डिमार्ज चार्ज की मांग कर रहे हैं। विलम्ब शुल्क आयातक पर लगाया जाने वाला शुल्क है जो आवंटित समय से ज्यादा समय होने पर लगाया जाता है। उन्होंने कहा कि हवाई खेपों के मामले में, कार्गो टर्मिनल पर पहुंचने के 24 घंटे बाद से अधिकारियों ने विलम्ब शुल्क लगाया जा रहा है। फार्मास्युटिकल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (फार्मेक्ससिल) के चेयरमैन दिनेश दुआ ने कहा कि कई फार्मा कंपनियों ने अपनी एयर कंसाइनमेंट के लिए विलम्ब शुल्क का भुगतान किया है। यह शुल्क 14 रुपए से लेकर 22 रुपए प्रतिदिन प्रति किलो की दर से लिया जा रहा है। दुआ के अनुसार अभी तक 200 टन कच्चा माल फंसा हुआ था जिसके लिए करीब 2 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि हम एयरपोर्ट पर होल्डअप करना काफी सराहनीय है लेकिन ये विलम्ब शुल्क बहुत ज्यादा है, जो फार्मा कम्पनियों के वर्किंग केपिटल के ऊपर अतिरिक्त बोझ है। एयर कंसाइनमेंट का क्लियरेंस मिलने में औसतन 6 से 10 दिन का समय लग रहा है और इस देरी के लिए बिना किसी गलती के बहुत ज्यादा शुल्क का भुगतान करना पड़ रहा है।

महामारी के दौरान जिन स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, उसे देखते हुए फार्मा कंपनियों को एक दिन से ज्यादा दिन का शुल्क रिफंड करना चाहिए।

किसानों को शिक्षित करन में कृषि विज्ञान केंद्रों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है: तोमर

नयी दिल्ली। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मंगलवार को कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) को फसल उत्पादकता बढ़ाने के लिये किसानों को मृदा परीक्षण के साथ कीटनाशकों एवं उर्वरकों के सही उपयोग को लेकर शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिये हर संभव कदम उठा रही है कि किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिले। एक आधिकारिक बयान के अनुसार उत्तर प्रदेश में बदायूं जिले के दातागंज में कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के प्रशासनिक भवन का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिलान्यास करते हुए मंत्री ने यह बात कही। तोमर ने कहा कि कृषि क्षेत्र में अध्यादेश और अन्य कानूनी सुधारों को क्रियान्वित किया गया है। इससे किसान अब देश में किसी भी जगह पर लाभकारी मूल्य पर अपनी फसल की बिक्री कर सकते हैं और इस पर सभी तरह की बंदिशें खत्म हो गई हैं। उन्होंने कहा कि देश में 86 प्रतिशत छोटे और सीमांत किसान हैं, जिनकी सरकारी योजनाओं, कार्यक्रमों और सुविधाओं तक पहुंच होनी चाहिए। उन्होंने किसानों से मृदा स्वास्थ्य परीक्षण पर ज्यादा ध्यान देने, कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल से बचने, पानी की बचत के साथ खेती करने व उत्पादकता बढ़ाने की अपील की।

मारुति ने रेलवे से भेजी 6.7 लाख से अधिक कारें, बचाया 10 करोड़ लीटर ईंधन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने पिछले छह साल में भारतीय रेलवे से 6.7 लाख कारें देश के विभिन्न हिस्सों में बिक्री के लिए भेजी। कंपनी ने आज एक बयान में बताया कि इस दौरान इसमें 18 फीसदी से अधिक की सीएजीआर दर्ज की गई। कंपनी ने मार्च 2014 में डबल डेकर फ्लेक्सी-डेक रैक के जरिए अपनी कारों की पहली खेप भेजी थी। मारुति का कहना है कि अपनी कारों को देश के विभिन्न हिस्सों में भेजने के लिए रेलवे के इस्तेमाल से उसे करीब 3000 मीट्रिक टन कार्बन डाई ऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करने में मदद मिली है। इससे करीब 10 करोड़ लीटर जीवाश्म ईंधन की बचत हुई। अगर इन कारों को ट्रकों के जरिए भेजा जाता तो इसके लिए ट्रकों को राष्ट्रीय राजमार्गों पर एक लाख से अधिक चक्कर लगाने पड़ते। पिछले वित्त वर्ष के दौरान 1.78 लाख से अधिक कारों को रेलवे के जरिए भेजा गया जो उससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 15 फीसदी अधिक है। यह साल में कंपनी के कुल बिक्री का 12 फीसदी है। कारों की ढुलाई में रेलवे की अहमियत का जिक्र करते हुए एमएसआई के एमडी और सीईओ केनिची आयुकावा ने कहा कि बढ़ती बिक्री के मद्देनजर हमारी टीम को लार्ज स्केल लॉजिस्टिक्स की जरूरत महसूस हुई। हमें लगा कि न केवल विस्तार के लिए बल्कि खतरा कम करने के लिए भी हमें रोड मोड लॉजिस्टिक्स के इतर विकल्प देखने चाहिए। कंपनी ने सिंगल डेक वैगन से शुरुआत की जिसमें 125 कारों की ढुलाई की जा सकती थी। फिर कंपनी ने डबल-डेकर रैक्स में शिफ्ट किया जिनमें 265 कारों को ले जाया जा सकता है। अब तक इनके जरिए 1.4 लाख से अधिक कारों को भेजा जा चुका है। कंपनी 27 रैक्स का इस्तेमाल कर रही है जो करीब 95 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकते हैं। हर रैक में 318 कारों को ले जाया जा सकता है। एमएसआई ने दावा किया कि वह देश की पहली ऑटो कंपनी है जिसने ऑटोमोबाइल फ्रेट ट्रेन ऑपरेटर का लाइसेंस मिला है।

इससे प्राइवेट कंपनियां इंडियन रेलवे के नेटवर्क पर हाई स्पीड, हाई कैपेसिटी ऑटो वैगन रैक्स ऑपरेट कर सकते हैं। अभी कंपनी 5 लोडिंग टर्मिनल और 13 डेस्टिनेशन टर्मिनल का इस्तेमाल करती है। अगरतला के रेल नक्शे से जुड़ने से अब रेल मोड की पहुंच पूर्वोत्तर तक हो गई है। कंपनी का कहना है कि इससे पूर्वोत्तर के राज्यों तक कारों को पहुंचने में अब आधा समय लगेगा।

जियो प्लेटफार्म्स को फेसबुक से 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी के बदले मिली 43,574 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। रिलायंस जियो की मूल कंपनी जियो प्लेटफार्म्स को फेसबुक से कंपनी में 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए 43,574 करोड़ रुपये प्राप्त हो गए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में यह कहा। जियो प्लेटफार्म्स और फेसबुक के बीच समझौते की घोषणा 22 अप्रैल को की गई थी। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कहा, ''...सभी जरूरी मंजूरी मिलने के बाद कंपनी की अनुषंगी जियो प्लेटफार्म्स लि. को फेसबुक की पूर्ण अनुषंगी जादू होल्डिंग्स, एलएलसी से 43,574 करोड़ रुपये की राशि मिल गई है। फेसबुक ने जियो प्लेटफार्म्स में 4.62 लाख करोड़ रूपये के उपक्रम मूल्य पर 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी ली है।

BSNL-MTNL की 37500 करोड़ रुपए प्रॉपर्टी की होगी नीलामी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड और भारत संचार निगम लिमिटेड की संपत्ति को बेचने यानी एसेट मॉनेटाइजेशन की प्रक्रिया काफी तेज हो गई है। केंद्र सरकार ने क्स्हरु और स्न्झहरु की लैंडहोल्डिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके पहले चरण में निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग ने कोरोना काम में प्रॉपर्टी बेचने की संभावनाओं को तलाशने की जिम्मेदारी कंसल्टेंसी फर्म सीबीआरई ग्रुप, जोन्स लैंग लासेल और नाइट फ्रैंक को सौंपी है। ये इस महीने के अंत तक अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। और की कुल 37500 करोड़ रुपए की संपत्ति बेची जानी है। इस संपत्ति में कंपनी की खाली जमीन और बिल्डिंग शामिल होंगी। इस बिक्री से मिले पैसों का इस्तेमाल कंपनी की माली हालत सुधारने में होगा। घाटे में चल रहीं सरकारी टेलीकॉम कंपनी और के रिवाइवल के लिए केंद्र सरकार ने इसी साल अक्टूबर में 70,000 करोड़ के रिवाइवल प्लान को मंजूरी दी थी। इसमें इन दोनों कंपनियों को विलय, संपत्तियों की बिक्री और कर्मचारियों को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) देने की घोषणा थी। केंद्र सरकार का लक्ष्य दोनों कंपनियों के विलय से बाद बनने वाली ईकाई को दो साल के भीतर मुनाफे वाले ईकाई बनाना है। को 2018-19 में करीब 14,202 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। 2017-18 में 7,993 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। 2016-17 में 4,793 करोड़ और 2015-16 में 4,859 रुपए का घाटा हुआ था। कंपनी 2010 से ही नुकसान में चल रही है। वहीं पिछले 10 सालों में से 9 साल में घाटा दर्ज किया है।

कोरोना संकट में काम करने वाले कर्मचारियों को आईसीआईसीआई बैंक देगा इनाम

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

कोरोना संकट के इस दौर में जहां अधिकतर कंपनियों ने अपने स्टाफ के वेतन में कटौती की है, वहीं देश के दूसरे सबसे बड़े निजी बैंक आईसीआईसीआई ने अपने 80 हजार फ्रंटलाइन स्टाफ की सैलरी 8 फीसदी तक बढ़ाने का फैसला किया है। बैंक ने अपने स्टाफ को कोरोना संकट में काम करने का इनाम दिया है। ये कर्मचारी बैंक में काम करने वाले कुल कर्मचारियों की संख्या का 80 फीसदी से अधिक हैं। बैंक के कुछ वरिष्ठ सूत्रों के हवाले से बताया है कि वेतन में बढ़त इस वित्त वर्ष 2020-21 के लिए होगी लेकिन यह जुलाई से लागू होगी।

बैंक का यह निर्णय ऐसे समय में मायने रखता है, जब कोरोना संकट के बीच बड़े पैमाने पर कंपनियां कर्मचारियों की छंटनी कर रही हैं और वेतन में कटौती हो रही है। सूत्रों के अनुसार बैंक के रू ग्रेड और उससे नीचे के कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। ये ऐसे कर्मचारी हैं जो ग्राहकों को सेवाएं देते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि बैंक के ब्रांच का का और अन्य काम सुचारु तरीके से चल सके। गौरतलब है कि पूरे लॉकडाउन और कोरोना संकट के बीच भी जैसे बहुत से बैंक हर दिन सीमित कर्मचारियों और सीमित घंटे के लिए ही सही, अपनी सेवाएं लगातार देते रहे। देश में कई चरणों का लॉकडाउन लगाने के बाद से ही अर्थव्यवस्था चरमरा गई थी, ज्यादातर काम-धंधे बंद हो गए थे, लेकिन बैंकों ने अपनी सेवाएं देनी जारी रखी।

इसके बाद पिछले महीने अनलॉक-1 लागू होने के बाद ज्यादातर कारोबार शुरू हो चुके हैं, ऐसे में बैंकों का कामकाज भी बढ़ गया है। देश में कोरोना संकट अभी खत्म होता नहीं दिख रहा। देश में कोरोना संक्रमण के मामले 7 लाख को पार कर गए हैं ।

2019 के मुकाबले मुम्बई में रियल्टी का भाव 20 प्रतिशत तक लुढ़का

मुम्बई (एजेंसी)।

देश की वित्तीय राजधानी कहलाने वाली मुम्बई का रियल्टी बाजार कोरोना वायरस की चपेट में आ गया है। कोविड-19 महामारी के कारण आई आर्थिक सुस्ती ने शहर के ज्यादातर इलाकों में जायदाद की कीमतें गिरा दी हैं। यहां दादर इलाके की रहने वाली रियल एस्टेट ब्रोकर सुधा कुमारी बताती हैं कि डिवैलपर इस वक्त 40,000 रुपए प्रति वर्ग फुट पर भी मकान बेचने को तैयार हैं, जबकि पिछले साल इसी समय 50,000 रुपए वर्ग फुट से एक पाई भी कम करने को वे तैयार नहीं थे। इस तरह 2019 के मुकाबले रियल्टी के भाव 20 प्रतिशत तक लुढ़क गए हैं। सुधा बताती हैं कि डिवैलपर परियोजनाओं के वास्ते लिए गए कर्ज के बोझ से परेशान हैं और मांग में सुस्ती देखकर वे कम कीमतों पर भी मकान-दुकान बेचने को तैयार हो गए हैं। मुश्किल यह है कि दाम इतने गिराने के बाद भी खरीदार उन्हें पूछ नहीं रहे हैं। दादर के ही रियल एस्टेट निवेशक सुनील सोलंकी ने कहा कि जब तक कीमतें 30 प्रतिशत नीचे नहीं आतीं, वह डिवैलपरों के पास फटकेंगे भी नहीं। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट संपत्ति खरीदने के लिहाज से यह अच्छा वक्त है मगर मुझे नहीं लगता कि कीमतों में गिरावट थमेगी। अभी दाम और कम होंगे। कोविड-19 महामारी और लॉकडाऊन के कारण पिछले 3 महीने से रियल्टी बिक्री ठप्प ही पड़ी है, इसीलिए मुम्बई के मुख्य आवासीय बाजारों में संपत्तियां कम कीमत पर बिक रही हैं। एनारॉक प्रॉपर्टी कंसल्टैंट्स के मुताबिक इस साल की पहली छमाही में मुम्बई महानगर क्षेत्र में बिक्री 61 प्रतिशत घट गई है। पिछली छमाही के मुकाबले इसमें 51 प्रतिशत गिरावट है। इस इलाके में 2,09,560 तैयार इकाइयां ग्राहकों की बाट जोह रही हैं। इतनी अनबिकी रियल एस्टेट देश में कहीं और नहीं है। मुम्बई के पश्चिमी उपनगर में प्रमुख कंसल्टैंट राजेश मेहता ने कहा कि इस समय बाजार ग्राहक के इशारे पर चल रहा है।

डिवैलपर कुछ भी करने को तैयार हैं। सब कुछ ठप्प पड़ा है। बिक्री नहीं हो रही, सौदे नहीं हो रहे और रजिस्ट्री भी नहीं हो रहीं। हालत बिगड़ती जा रही है। किसी को नहीं पता कि हो क्या रहा है। बहरहाल देश भर में पैठ वाले बड़े रियल्टर कीमत कम होने की बात नहीं मानते।

नेस्ले इंडिया वृद्धि संभावनाओं के लिए मुख्य उत्पाद श्रेणियों पर देगी ध्यान: सुरेश नारायण

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

नूडल्स, चॉकलेट, कॉफी जैसे रोजमर्रा के उपभोक्ता उत्पाद बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया की योजना अपनी दूध, चॉकलेट और कॉफी जैसी मुख्य उत्पाद श्रेणियों पर ध्यान देने की है, ताकि वह इन श्रेणियों में और कारोबारी विस्तार एवं वृद्धि कर सके। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक सुरेश नारायण ने कहा कि कोविड-19 संकट के बाद ग्राहक गुणवत्ता और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित उत्पादों पर भरोसा करेंगे जो उनके परिवार को बेहतर पोषण और आरोग्यता दें। नारायण ने यह बात पिछले महीने कंपनी की आम वार्षिक सभा में कही। उन्होंने कहा, '' इन सभी क्षेत्रों में कंपनी मुख्य तौर पर सक्षम और मजबूत रूप से मौजूद है। हम ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने वाले उत्पाद पेश करना जारी रखेंगे।'' नारायण ने कहा कि कंपनी पहले से तैयार भोजन और चॉकलेट एवं कंफेक्शनरी दोनों श्रेणियों के उत्पादों को लेकर ज्यादा आश्वस्त तरीके से ध्यान दे रही है। कंपनी को कॉफी उत्पादों में बेहतर करने की उम्मीद है और वह इसमें वृद्धि की संभावनाएं तलाश रही है। उन्होंने कहा, ''कंपनी का पूरा जोर उसकी मुख्य कारोबार श्रेणियों मसलन दूध और पोषण, पहले से तैयार खाद्य सामग्रियों, चॉकलेट और कन्फेक्शनरी उत्पाद और कॉफी एवं अन्य पेय उत्पादों पर रहेगा।'' इसके अलावा कंपनी ने सुबह के नाश्ते की श्रेणी में भी अपने उत्पाद पेश किए हैं। इन्हें कंपनी ने 'नेसप्लस' ब्रांड नाम के तहत उतारा है। नारायण ने कहा कि कंपनी को बेहतर पोषण उत्पाद, आरोग्यता उत्पाद, सुविधाजनक उत्पाद, स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने वाले उत्पाद इत्यादि श्रेणी में वृद्धि संभावनएं दिखती हैं। वाले उत्पाद इत्यादि श्रेणी में वृद्धि संभावनएं दिखती हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी के देशभर में स्थित आठों कारखाने 80 प्रतिशत क्षमता के साथ काम कर रहे हैं। कंपनी के उत्पादों की कीमत बढ़ाने के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कंपनी ने कोविड-19 संकट का लाभ उठाते हुए किसी उत्पाद की कीमत नहीं बढ़ायी बल्कि इन्हें लागत प्रभावी कई अन्य कारकों को ध्यान में रखते हुए बदला गया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

ली के गोल से वेलेंसिया ने चखा जीत का स्वाद

मैड्रिड । दक्षिण कोरिया के युवा मिडफील्डर ली कांग इन के 89वें मिनट में किए गए गोल की मदद से वेलेंसिया ने वैलाडोलिड को 2-1 से हराया जो उसकी स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में पिछले चार मैचों के बाद पहली जीत है। ली के गोल से वेलेंसिया ने यूरोपा लीग में जगह बनाने की उम्मीदों को बरकरार रखा है। वह अब सातवें स्थान पर काबिज रीयाल सोसिडाड से एक अंक पीछे है। अभी तीन दौर के मैच खेले जाने बाकी है। वेलेंसिया की तरफ से मैक्सी गोमेज ने 30वें मिनट में गोल किया लेकिन विक्टर गर्सिया ने 47वें मिनट में वैलाडोलिड को बराबरी दिला दी थी। वेलेंसिया की तरफ से मैक्सी गोमेज ने 30वें मिनट में गोल किया लेकिन विक्टर गर्सिया ने 47वें मिनट में वैलाडोलिड को बराबरी दिला दी थी। इस बीच एटलेटिको मैड्रिड को सेल्टा विगो ने 1-1 से ड्रा पर रोका जिससे उसके चैंपियन्स लीग में जगह बनाने की उम्मीदों को झटका लगा।

बीसीसीआई अध्यक्ष गांगुली ने - 35 से 40 दिन मिले तो आईपीएल देश में ही होगा

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि यह साल बगैर विकल्प नहीं होने पर इसे विदेश में कराया जाएगा, लेकिन इससे टूर्नामेंट के खर्चे बढ़ जाते हैं। इस साल आईपीएल 29 मार्च से होना था, लेकिन कोरोना के कारण इसे बोर्ड ने पहले ही अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया है। बीसीसीआई इस साल ऑस्ट्रेलिया में 18 अक्टूबर से 15 नवंबर तक होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप पर आईसीसी के फैसले का इंतजार कर रहा है। वर्ल्ड कप टलने की स्थिति में उसकी जगह आईपीएल कराया जा सकता है। गांगुली ने बुधवार को 48 साल के हो गए हैं। इस मौके पर उन्होंने एक न्यूज चैनल से कहा, ''हम नहीं चाहते कि आईपीएल 2020 रद्द हो। हमें 35 से 40 दिन का भी समय मिलता है, तो हम आईपीएल को देश में ही कराएंगे। फिलहाल, हम यह नहीं जानते कि यह कहां होगा। आईपीएल देश का सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। हम चाहते हैं कि यह जरूर हो।'' टी-20 वर्ल्ड कप की जगह आईपीएल होगा या नहीं, इस पर गांगुली ने कहा, ''अभी आईसीसी ने टूर्नामेंट को लेकर कुछ भी फैसला नहीं लिया है। मीडिया में कई तरह की रिपोर्ट्स आ रही हैं, लेकिन जब तक आईसीसी का कोई आधिकारिक फैसला नहीं आता, तब तक हम इस मामले में कुछ नहीं कह सकते।'' इस बार आईपीएल की मेजबानी के लिए श्रीलंका, संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएई) और न्यूजीलैंड पहले ही बीसीसीआई को प्रस्ताव दे चुके हैं। इस पर बोर्ड ने अब तक कोई फैसला नहीं लिया है। हालांकि, आईपीएल को अब तक दो बार लोकसभा चुनाव के कारण भारत से बाहर कराया जा चुका है। 2009 में टूर्नामेंट की मेजबानी दक्षिण अफ्रीका ने की थी। तब आईपीएल 5 हफ्ते और 2 दिन तक चला था। इसके बाद 2014 में टूर्नामेंट के मैच भारत के अलावा यूएई में खेले गए थे।

मौजूदा टेस्ट टीम में से कोहली और रोहित को अपनी टीम में रखना पसंद करते गांगुली

नयी दिल्ली (एजेंसी) ।

बीसीसीआई अध्यक्ष और भारतीय क्रिकेट के सफलतम कप्तानों में से एक सौरव गांगुली से जब मौजूदा टेस्ट टीम में से पांच खिलाड़ियों को उनकी टीम में शामिल करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और आर अश्विन को चुनना पसंद करते। बीसीसीआई वेबसाइट पर अपलोड किये गये 'ओपन नेट्स विद मंयक' के नये एपिसोड में मयंक अग्रवाल ने पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली से मौजूदा टेस्ट टीम में से अपनी टीम के लिये पांच क्रिकेटरों को चुनने को कहा तो उनका जवाब था, यह बहुत ही मुश्किल सवाल है क्योंकि हर पीढ़ी के खिलाड़ी अलग होते हैं। बुधवार को 48 साल के हुए गांगुली ने कहा, ''यह कठिन सवाल है क्योंकि हर पीढ़ी के खिलाड़ी अलग होते हैं। तुम्हारी मौजूदा टीम में मैं विराट कोहली और रोहित शर्मा को टीम में रखना पंसद करता। मैं तुम्हें (मयंक को) नहीं चुनूंगा क्योंकि मेरी टीम में वीरेंद्र सहवाग था। मैं (जसप्रीत) बुमराह को चुनूंगा क्योंकि मेरे पास दूसरे छोर पर जहीर (खान) थे। जवागल श्रीनाथ के संन्यास लेने के बाद मैं मोहम्मद शमी को शामिल करूंगा। मेरी टीम में हरभजन और अनिल कुंबले थे तो (रविचंद्रन) अश्विन मेरे तीसरे स्पिनर होंगे। मैं रविंद्र जडेजा को भी लेना पसंद करता।'' मयंक ने गांगुली से पूछा कि वह भारत की विश्व कप 2019 टीम में से किन तीन क्रिकेटरों को अपनी विश्व कप 2003 टीम में शामिल करना पसंद करते तो उन्होंने जवाब दिया, ''कोहली, रोहित और बुमराह।'' इसका कारण समझाते हुए गांगुली ने कहा, ''बुमराह के स्तर का तेज गेंदबाज। हम दक्षिण अफ्रीका में खेले थे, हालांकि हमने उस श्रृंखला में काफी बेहतरीन गेंदबाजी की थी।

बुमराह, रोहित और विराट मैदान पर हों। रोहित शीर्ष पर और मैं तीसरे नंबर पर। मैं नहीं जानता, शायद सहवाग इसे सुन रहे होंगे और मुझे कल उनका फोन आयेगा और वो कहेंगे, ''तुम क्या समझते हो?'' लेकिन मैं इन तीन को टीम में रखना पसंद करता।''

लॉकडाउन में धैर्य और खुद पर विश्वास रखने के महत्व को समझा : कोठाजीत

नई दिल्ली । भारतीय हॉकी टीम के डिफेंडर कोठाजीत सिंह खडगबम ने कहा कि लॉकडाउन से उनकी सबसे बड़ी सीख हर स्थिति में धैर्य और खुद पर विश्वास रखने के महत्व को समझना था। लॉकडाउन की अवधि के दौरान यह एक कठिन समय था। हॉकी की पिच से दूर रहना हमेशा कठिन होता है। हालांकि, मुझे उस दौरान पॉज बटन हिट करने का मौका मिला। 28 वर्षीय कोठाजीत ने एक बयान में कहा- मैं लगभग सात साल से भारतीय टीम में हूं और इसलिए मैं लॉकडाउन अवधि का उपयोग कर सोच सकता हूं कि मैंने अपने करियर में कैसे प्रगति की है। किसी भी खिलाड़ी के जीवन में यह प्रमुख तत्व हैं। अवसर आएंगे और जाएंगे, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं अपना शत-प्रतिशत देता रहूं और हर बार खुद पर विश्वास करूं कि मैं पिच पर हूं। साई सैंटर में लॉकडाउन के दौरान शारीरिक फिटनेस बनाए रखने पर कोठाजीत ने कहा- हमारा सबसे बड़ा फिटनेस ही था। लगातार व्यायाम निश्चित रूप से मानसिक और शारीरिक रूप से ताजा होने में मदद करता है। फिटनेस शेड्यूल को पूरा करना मेरे दिन का सबसे अच्छा हिस्सा था। इससे मुझे मुश्किल समय के दौरान प्रेरित रहने में मदद मिली। मैंने अपने पिछले मैचों के बहुत सारे फुटेज भी देखे और मैंने कुछ पहलुओं पर ध्यान दिया है जिन्हें मुझे आगामी महीनों में काम करने की आवश्यकता होगी।

'ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन के समर्थन में आए इंग्लैंड और वेस्टइंडीज खिलाड़ी, किया कुछ ऐसा

साउथम्पटन (एजेंसी) ।

इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के क्रिकेटर 4 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की बहाली करने वाले पहले टेस्ट की शुरूआत से पूर्व 'ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन के समर्थन में घुटने के बल बैठे। दर्शकों के बिना रोस बाउल स्टेडियम पर पहली गेंद फेंके जाने से पूर्व फील्डिंग कर रहे वेस्टइंडीज के क्रिकेटर आउटफील्ड में घुटने के बल बैठे। इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने भी यही किया। दोनों टीमों ने अपनी जर्सी की कॉलर पर ब्लैक लाइव्स मैटर का लोगो पहन रखा था। वेस्टइंडीज की टीम पहले ही कह चुकी है कि इस दौरे पर उनकी प्रेरणा का स्रोत यह आंदोलन है। अमेरिका में मई में अफ्रीकी अमेरिकी जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस की बर्बरता के बाद मौत के बाद से दुनिया भर में नस्लवाद के विरोध में यह आंदोलन चल रहा है। मैच से पहले कोरोना वायरस महामारी में अपनी जान गंवाने वाले लोगों की याद में एक मिनट का मौन रखा गया। खेल बारिश और गीली आउटफील्ड के कारण तीन घंटे देर से शुरू हुआ। वर्षाबाधित पहले दिन अब अधिकतम 70 ओवर ही फेंके जा सकेंगे। इंग्लैंड के कार्यवाहक कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया।

कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। इंग्लैंड ने लंबे समय से टीम के नियमित सदस्य रहे स्टुअर्ट ब्रॉड को बाहर रखा। वहीं वेस्टइंडीज टीम में रहकीम कॉर्नवाल को जगह नहीं मिली।

संक्षिप्त समाचार

नस्लवाद पर बात करते भावुक हुए माइकल होल्डिंग, बताया- कैसे रुकेगा यह सिलसिला

साउथम्पटन । नस्लवाद के खिलाफ सशक्त संदेश देते समय भावुक हुए माइकल होल्डिंग ने कहा कि अश्वेत नस्ल को 'अमानुषिक' बना दिया गया है और उसकी उपलब्धियों को उस इतिहास से मिटा दिया गया जिसे उन लोगों ने लिखा है जिन्होंने यह नुकसान किया है। अगले साल क्रिकेट कमेंट्री से रिटायर हो रहे होल्डिंग ने इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच बारिश के कारण रूके पहले टेस्ट के दौरान नस्लवाद पर बातचीत के दौरान यह विचार व्यक्त किए। इस मैच में दोनों टीमों ने नस्लवाद के खिलाफ अपनी जर्सी पर 'ब्लैक लाइव्स मैटर'का लोगो पहना है। अमेरिका में अफ्रीकी अमेरिकी जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस की बर्बरता के बाद मौत के बाद से दुनिया भर में नस्लवाद का विरोध हो रहा है। होल्डिंग ने इसपर कहा- जब मैं शिक्षा की बात करता हूं तो मेरा मतलब इतिहास पर नजर डालने से है। लोगों को समझना होगा कि ये चीजें सौ साल पुरानी है। उन्होंने कहा- अश्वेत नस्ल का अमानुषिकीकरण कहां से शुरू हुआ। लोग कहेंगे कि यह काफी पुरानी बात है, इसे भूल जाओ। इस तरह की बातों को भूला नहीं जा सकता। होल्डर ने कहा- शिक्षा प्रणाली ने लोगों के दिमाग में अश्वेत नस्ल के खिलाफ नकारात्मक बातें भर दी है और मानवता की प्रगति में उसके योगदान को नकार दिया गया। उन्होंने कहा- इतिहास विजेताओं का होता है, पराजितों का नहीं। इतिहास उन लोगों ने लिखा है जिन्होंने नुकसान किया है, उन्होंने नहीं जिनका नुकसान हुआ है।

लाजियो के पैट्रिक ने विरोधी फुटबालर को दांत से काटा, लग सकता है लंबा प्रतिबंध

लेसी (इटली) ।

लाजियो के डिफेंडर पैट्रिक को अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाड़ी को दांत से काटने के लिए लंबी अवधि का प्रतिबंध झेलना पड़ सकता है। यह घटना लाजियो की लेसी के हाथों 2-1 से हार के दौरान दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम में घटी। इस हार से लाजियो की खिताब की उम्मीदें लगभग समाप्त हो गई और ऐसे में खिलाड़ी अंतिम क्षणों में आपस में उलझ पड़े। तभी 27 साल के पैट्रिक ने लेसी के डिफेंडर जियुलियो डोनाटी की बाईं बांह को दांत से काट दिया। इसके बाद उन्हें तुरंत लाल कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया गया था। कोरोना वायरस महामारी के प्रभाव को देखते हुए यह घटना अधिक गंभीर मानी जा रही है क्योंकि फुटबाल की कड़े दिशानिर्देशों के बीच वापसी हुई है जिसमें गोल के बाद जश्न मनाते हुए एक दूसरे को गले नहीं लगाना भी शामिल है। लुई सुआरेज जब लिवरपूल की तरफ से खेला करते थे तब 2013 में प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाड़ी को दांत से काटने पर इंग्लिश फुटबॉल एसोसिएशन ने उन पर दस मैचों का प्रतिबंध लगाया था। उरूग्वे के इस फारवर्ड को 2014 विश्व कप में इटली के डिफेंडर जियोर्जियो चिलेनी को काटने पर नौ अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए निलंबित किया गया था।

स्नोबोर्ड विश्व चैंपियन पुलिन की गोल्ड कोस्ट पर डूबने से मौत

गोल्ड कोस्ट । दो बार के विश्व स्नोबोर्ड चैंपियन और शीतकालीन ओलंपियन एलेक्स पुलिन की बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट पर डूबने से मौत हो गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 32 साल के व्यक्ति को जब पानी से निकाला गया तो वह कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहा था और जीवनरक्षकों और आपात उपचार टीम द्वारा कृत्रिम सांस दिए जाने के बावजूद उसकी मौत हो गई। बाद में इस व्यक्ति की पहचान पुलिन के रूप में हुई। यह दुर्घटना पाम बीच पर स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 10 बजकर 40 मिनट पर हुई। पुलिन कृत्रिम चट्टान पर गोताखोरी कर रहे थे जब एक सर्फर ने उन्हें देखा। पुलिस ने बताया, 'एक अन्य गोताखोर वहां मौजूद था और उन्होंने उसे समुद्र तल पर देखा और आप-पास के गोताखोरों का बुलाया जिन्होंने जीवनरक्षकों के साथ मिलकर उसे बाहर निकाला।

बेन स्टोक्स को कप्तान बनाने से खफा हुए केविन पीटरसन, इसे बताया सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार

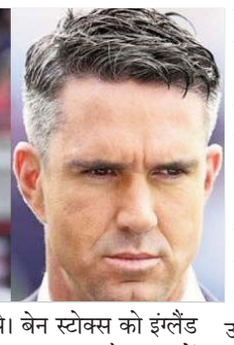

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन को लगता है कि विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर बुधवार से साउथेम्प्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में नियमित टेस्ट कप्तान जो रूट के लिए कवर करने के लिए बेहतर विकल्प थे। बेन स्टोक्स को इंग्लैंड के स्टैंड-इन कप्तान के रूप में नामित किया गया था क्योंकि रूट अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए घर लौट गए थे। रूट श्रृंखला के अंतिम दो मैचों के लिए वापसी कर सकते हैं जोकि ओल्ड ट्रैफर्ड में होने हैं। पीटरसन ने साफ कहा कि मैं जो रूट के मुकाबले कभी बेन स्टोक्स को कप्तान नहीं बनाऊंगा। मैं जोस बटलर को आगे लेकर आऊंगा। स्टोक्स उस प्रकार के खिलाड़ी हैं जिनकी मैं पहले चर्चा कर रहा था - वह भीड़ से प्यार करता है, और वह अपने आसपास बहुत अधिक ऊर्जा के साथ प्रदर्शन करता है। लेकिन यहां स्थिति अलग होगी। यहां कोई ऐसी ऊर्जा नहीं होगी। उसे खुद ही इसे उत्पन्न करना होगा। वह टीम में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी हैं। क्या सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हमेशा कप्तान के रूप में सबसे अच्छा विकल्प होता है? मुझे इतना यकीन नहीं है। कोरोना काल के दौरान खिलाड़ी कैसे सुरक्षित रहेंगे, सवाल पर पीटरसन ने कहा- हर गुजरते दिन के साथ यह खिलाड़ियों के लिए और मुश्किल होता जाएगा कि वे अपनी सुरक्षा के लिए अधिकारियों द्वारा लगाए गए जैव-सुरक्षित वातावरण में रहें। उन्होंने कहा- सिर्फ क्रिकेट खेलना और लंबे समय तक होटल में रहने से खिलाड़ियों पर असर पड़ सकता है। पीटरसन ने कहा- मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि मैं इस गर्मी में खेल नहीं। अगर ऐसा होता तो मेरे लिए स्थितियां से निपटना इतना आसान नहीं होता। खिलाड़ियों के पास आमतौर पर उनके परिवार, उनके एजेंट और उनके प्रायोजक होते हैं। वे बाहर निकल सकते हैं और गोल्फ खेल सकते हैं। हमेशा कुछ न कुछ चलता रहता है। यह जरूरी भी है क्योंकि इससे आप तनाव से दूर रहते हैं।

जोकोविच ने आलोचना को लिया आड़े हाथ, - यूएस ओपन में भाग लेना संदिग्ध

बेलग्राद । अपने एड्रिया टूर के दौरान कोरोना वायरस से संक्रमित हुए विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने अपनी आलोचना करने वालों को आड़े हाथों लिया है और साथ ही कहा है कि उनका 31 अगस्त से 13 सितम्बर तक होने वाले यूएस ओपन में भाग लेना संदिग्ध है। कोरोना के बीच जोकोविच ने चार चरणों के एड्रिया टूर का आयोजन किया था जिसमें पहले दो चरणों के दौरान जोकोविच, उनके हमवतन खिलाड़ी विक्टर ट्रायकी, बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव और क्रोएशिया के बोर्ना कोरिच कोरोना से संक्रमित हो गए जिसके बाद दूसरे चरण के फाइनल और शेष दो चरणों को रद्द करना पड़ गया। जोकोविच इसके बाद आलोचना के शिकार हो गए और आलोचक उन्हें गैर जिम्मेदार ठहरा रहे थे लेकिन जोकोविच ने आलोचकों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जानबूझकर ऐसी आलोचना की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह आलोचना नहीं बल्कि एक एजेंडा है। उन्होंने कहा, 'आलोचकों को कोई बड़ा नाम चाहिए था और उन्होंने मुझे ही जिम्मेदार ठहराना शुरू कर दिया। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने यूएस ओपन में खेलने के बारे में कोई फैसला नहीं किया है क्योंकि अमेरिका और न्यूयाक में कोरोना मामले लगातार बढ़ाते जा रहे हैं। जोकोविच मंगलवार को ट्रायकी के साथ ट्रेनिंग पर लौट आये हैं। जोकोविच का पिछले सप्ताह दूसरा टेस्ट नेगेटिव आया था। क्योंकि अमेरिका और न्यूयाक में कोरोना मामले लगातार बढ़ाते जा रहे हैं। जोकोविच मंगलवार को ट्रायकी के साथ ट्रेनिंग पर लौट आये हैं। जोकोविच का पिछले सप्ताह दूसरा टेस्ट नेगेटिव आया था। उन्होंने कहा, 'मेरी मंशा साफ़ थी। मैं खिलाड़ियों और अपने क्षेत्र के टेनिस संघों की मदद के लिए टूर्नामेंट आयोजित करना चाहता था। हमने सभी नियमों का पालन किया था। लेकिन हमने साथ ही सबक भी सीखा है।

रनीम के संन्यास से फिर विश्व की शीर्ष दस खिलाड़ियों में शामिल हुई जोशना

नई दिल्ली । भारत की स्क्वाश स्टार जोशना चिनप्पा मिस्र की विश्व में नंबर एक रनीम इल वेलिली के अचानक संन्यास लेने से पीएसए विश्व रैंकिंग में फिर से शीर्ष दस में शामिल हो गयी हैं। कोविड-19 महामारी के कारण मार्च से कोई मैच नहीं खेलने वाली जोशना दसवें नंबर पर पहुंच गई हैं। यह 33 वर्षीय खिलाड़ी इससे पहले 2016 में शीर्ष दस में शामिल हुई थी। दीपिका पल्लिकल अन्य भारतीय महिला खिलाड़ी है जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। रनीम के संन्यास के बाद मिस्र की नोरान गोहर विश्व में नंबर एक महिला स्क्वाश खिलाड़ी बन गयी है। रनीम 19 महीने तक शीर्ष स्थान पर रही थी। उन्होंने पिछले महीने संन्यास की घोषणा करके सभी को चौंका दिया था। पुरुष वर्ग में भारत के चोटी के खिलाड़ी सौरव घोषाल ताजा विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर बने हुए हैं। कोरोना वायरस के कारण पीएसए टूर को अगस्त के मध्य तक निलंबित किया गया है।

आकाश गनेशन बने भारत के 66 वे शतरंज ग्रांड मास्टर

चेन्नई (एजेंसी)।

वैसे तो कोविड 19 की स्थिति के कारण दुनिया भर की खेल की तरह भारत की खेल की गतिविधियां तो बंद है पर शतरंज मे जरूर भारत कुछ ना कुछ उपलब्धियां हासिल कर पा रहा है । भारत के लिए अच्छी खबर ये है की हमें अब अपना 66वां ग्रांड मास्टर मिल गया है । 3 जुलाई को सम्पन्न हुई फीडे कॉंग्रेस की ऑनलाइन मीटिंग मे भारत के गनेशन आकाश को विश्व शतरंज संघ नें ग्रांड मास्टर के खिताब से नवाजा है । जी आकाश भारत के उन खिलाड़ियों मे शामिल है जिन्हे बेहद कम उम्र मे नेशनल चैम्पियन बनने का गौरव हासिल है । इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए शतरंज से काफी समय तक दूर रहे आकाश का ग्रांड मास्टर बनना एक बेहद बड़ी बात है ।आकाश को भारतीय शतरंज जगत में एक शानदार आक्रामक खिलाड़ी के तौर पर जाना जाता है ।

साथ ही निडरता उनके खेल को और खास बनाती है । 2012 मे 16 साल मे बने थे नेशनल चैम्पियन - आकाश 2012 में उस समय अचानक उभरे थे जब 13 ग्रांड मास्टर के होते हुए उन्होने नेशनल चैम्पियन बनकर सभी को चौंका दिया था पर रहे थे , विदित गुजराती, अरुण प्रसाद, दीप सेनगुप्ता, और अधिबन ललित बाबू, वेंकटेश, वह इस स्पर्धा में 9.0/13 के स्कोर के साथ पहले स्थान पर रहे थे , विदित गुजराती, अरुण प्रसाद, दीप सेनगुप्ता, और अधिबन ललित बाबू, वेंकटेश, , वह इस स्पर्धा में 9.0/13 के स्कोर के साथ पहले स्थान पर रहे थे , विदित गुजराती, अरुण प्रसाद, दीप सेनगुप्ता, और अधिबन ललित बाबू, वेंकटेश, गोपाल आदि बड़े बड़े नामों की मौजूदगी में उन्होने नेशनल चैम्पियन का खिताब जीतकर विश्व कप के लिए भी जगह बनाई थी ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

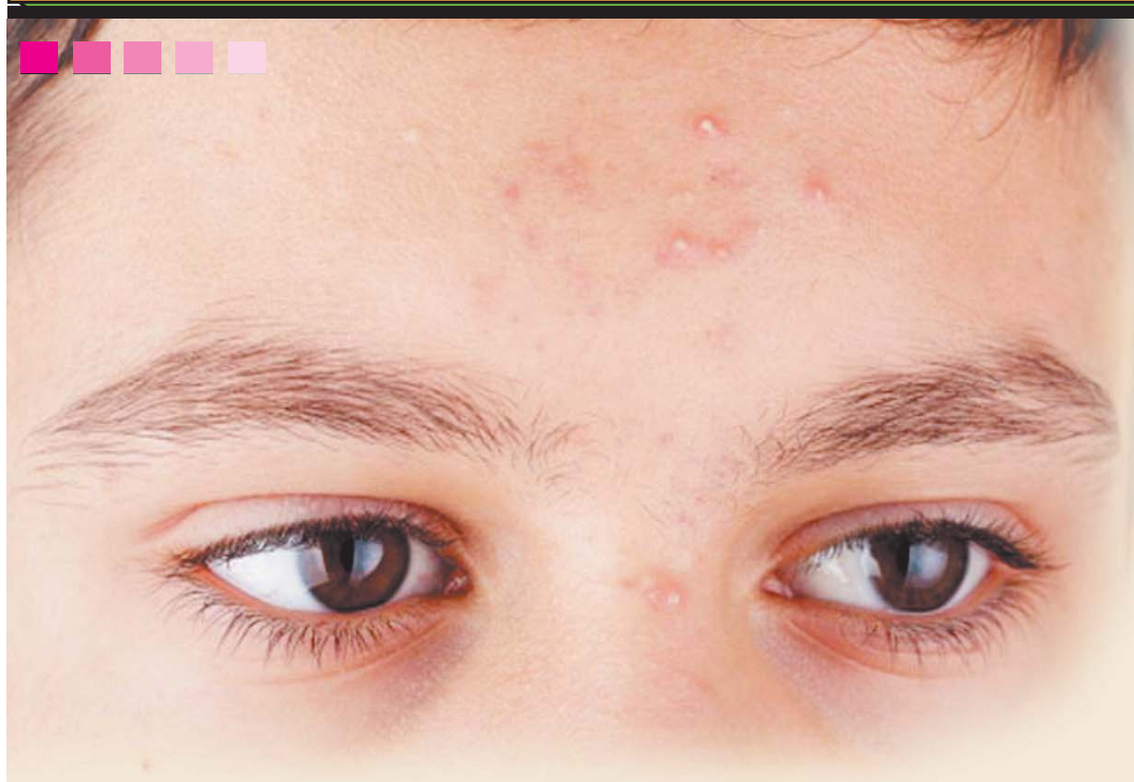

मुहांसे हो सकते है
तनाव का कारण

चेहरा इंसान की पहचान होता है और सुंदर त्वचा चेहरे के सौंदर्य को कई गुना बढ़ा देती है। चमकीली और मुलायम त्वचा तो हर कोई चाहता है, लेकिन अक्सर उम्र बढ़ने के साथ या खराब जीवनशैली के कारण यह अपना आकर्षण खो देती है। त्वचा की कई समस्याएं हैं, लेकिन मुहांसे सबसे ज्यादा लोगों को परेशान करते हैं। त्वचा को प्रभावित करने में मौसम के अलावा तनाव भी मुख्य भूमिका निभाता है। शोध में पाया गया कि आहार और साफ-सफाई के अलावा तनाव भी त्वचा को प्रभावित करता है। कई लोग जो तनावग्रस्त होते हैं उनके मुहांसे और गम्भीर हो जाते हैं।

शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन किशोरों में परीक्षा का तनाव होता है, उनमें मुहांसे उभरने या उभरे हुए मुहांसे और गम्भीर होने की सम्भावना अधिक होती है। नई दिल्ली स्थित तुलसी हेल्थ केयर के मनोचिकित्सक डॉ. गौरव गुप्ता का कहना है कि परीक्षा के वक्त किशोरों को चेहरे पर मुहांसे भी उभरने के साथ पक भी जाते है। तनाव से खाज और अन्य त्वचा संबंधी समस्याएं हो जाती हैं। देखा जाए तो त्वचा हमारे मन की स्थिति का आईना होता है। किशोरावस्था में मुंहासे होने का कारण शरीर में होने वाले हार्मोंस से संबंधित बदलाव होते हैं। इसके अलावा इस उम्र में बच्चे तनाव का शिकार भी जल्दी होते हैं। पीयर प्रेशर और हमेशा सुंदर दिखने का दबाव उन पर रहता है।

यही वजह है कि टीनएजर मुंहासे होने पर गहरे तनाव में घिर जाते हैं। ऐसी स्थिति में माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों पर इससे होने वाले मनोवैज्ञानिक प्रभावों को समझें और जानें। जो माता-पिता बच्चों की इस समस्या को उचित मार्गदर्शन से सही कर सकते हैं उनके बच्चे इस समस्या से उबर सकते हैं। मुंहासे जवानी में भी हो सकते हैं। लगभग 50 प्रतिशत जवान महिलाएं और 25 प्रतिशत पुरुषों को जवानी में यह समस्या निरंतर जकड़े रहती है। कई महिलाएं तो इनके कारण डिप्रेशन के शिकार हो जाती हैं। इन मुंहासे के होने के कई कारण हो सकते हैं। जैसे वातावरण का प्रभाव, शारीरिक और हारमोन्स से संबंधित होने वाले बदलाव वगैरह। जिस समय व्यक्ति तनावग्रस्त होता है तो शरीर में कोर्टिसोल हार्मोंस का स्राव बढ़ जाता है जिसके कारण शरीर में त्वचा की ग्रंथियों से सीवम नामक हारमोन का स्राव ज्यादा होने लगता है जिसके कारण मुंहासे होते हैं। इसके अलावा यह ब्लैक हेड्स और व्हाइट हेड्स होने का भी कारण हो सकता है। अत- तनाव को बेहतर तरीके से हैंडल करना चाहिए। तनाव का प्रभाव शरीर पर न पड़े इसके लिए खुश रहें और पूरा आराम करें। पर्याप्त आराम, एक्सरसाइज और सकारात्मक नजरिए से तनाव पैदा होने वाली तमाम स्थितियों से काफी हद तक बचा जा सकता है।

मुंहासों की समस्या यदि ज्यादा गंभीर होने लगे तो इसके लिए डॉक्टर से परामर्श करें। अपने भोजन और लाइफ स्टाइल में बदलाव करें। रिफाइंड काब्रोहाइड्रेट युक्त आहार व कैफीन मात्रा में लें। लो-फैट डाइट लें और पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। हालांकि मुंहासे की समस्या को देखने का हर व्यक्ति का अपना नजरिया होता है। कुछ लोगों को यह एक बड़ी गंभीर समस्या लगती है उन्हें लगता है कि इससे उनका चेहरा भद्दा लगता है। इन्हें देखकर उन्हें गुस्सा आता है और वे तनावग्रस्त हो जाते है। स्त्री, पुरुष, किसी भी आयु वर्ग के, किसी भी देश के व्यक्ति मुंहासों की जद में आ सकते है।

दिन में कम से कम चेहरे को तीन बार सादे पानी से धोएं, लेकिन ध्यान रहे साबुन या फेसवॉश का इस्तेमाल दिन में एक बार ही करें, क्योंकि इनके ज्यादा प्रयोग से त्वचा को नुकसान पहुंचता है और वह रूखी हो जाती है।

खास टिप्स

पिंपल्स जितने अधिक समय तक रहेंगे, दाग उतने ही गहरे होंगे, इसलिए तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

अक्सर देखा जाता है कि जिन लोगों में मुहांसों की समस्या होती है, उनके शरीर में इंसुलिन का स्राव औसत से अधिक होता है। इससे बचने के लिए अपने भोजन में कार्बोहाइड्रेट और डेयरी उत्पादों का सेवन कम करें।

कुछ अनुसंधानों में यह बात सामने आई है कि अधिक मात्रा में दूध और दुग्ध उत्पादों का सेवन करने से भी मुहांसों की समस्या हो जाती है।

चेहरे को जोर-जोर से न रगड़ें। मुहांसों को दबाएं या फोड़े नहीं। ज्यादा तैलीय, मसालेदार भोजन न खाएं।

चेहरे की त्वचा को साफ रखें। चेहरे पर ऑयल फ्री प्रोडक्ट लगाएं।

तनाव न लें, क्योंकि इससे हार्मोन्स का संतुलन गड़बड़ा जाता है, जो मुहांसों का कारण बन जाता है।

ब्लीच, फेशियल या स्टीम न लें। मेकअप का प्रयोग भी न करें, इससे मुहांसे जल्दी ठीक हो जाएंगे।

धूप में हमेशा सनस्क्रीन लगाएं, यह न सिर्फ त्वचा की रक्षा करता है, बल्कि स्किन कैंसर के खतरे को भी कम करता है। इससे पिग्मेंटेशन भी कम होता है और झुर्रियां भी जल्दी नहीं पड़तीं।

धूम्रपान करने से त्वचा के इलास्टिन और कोलेजन नष्ट हो जाते हैं, जिससे इसका मुलायमपन खत्म हो जाता है।

तनाव न लें, क्योंकि तनाव से त्वचा को नुकसान पहुंचता है और यह अति संवेदनशील हो जाती है। रोजाना चार-पांच लीटर पानी पिएं।

दिन में दो बार किसी अच्छे फेसवॉश या माइल्ड साबुन से चेहरा धोएं। रात को नाइट क्रीम लगाएं। यह त्वचा को पोषण प्रदान करती है।

व्यायाम और योग करें, इससे रक्त का संचरण बढ़ता है, तनाव कम होता है, जिससे त्वचा की कई समस्याएं दूर हो जाती हैं।

त्वचा की रंगत और स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियों, मौसमी फलों, मेवों और दही को शामिल करें और जंक फूड, सॉफ्ट ड्रिंक से बचें।

ग्रीन टी का सेवन करें, क्योंकि इसमें एंटी ऑक्सीडेंट होते हैं, जो सुंदर त्वचा के लिए वरदान होते हैं।

त्वचा को पानी की आवश्यकता होती है। ढ़ेर सारा पानी पिएं, इससे त्वचा साफ, मुलायम और बेदाग बनेगी।

अंदर से तरोताजा रहने के लिए खूब सारा पानी पीएं। इससे शरीर से गंदगी बाहर निकलती है और बॉडी में नए सेल्स बनते हैं। शरीर की तरह स्किन को चकमदार और स्वस्थ बनाए रखने के लिए पानी की बेहद जरूरत है। रात को सोने से पहले कम से कम 1-2 गिलास पानी पिएं। ये आपकी स्किन में मौजूद नुकसानदेह टॉक्सिन्स को निकालने में मदद करता है। जितना हो सकें लिच्डि लें। पानी की जगह हर दिन दो गिलास जूस अवश्य लेना चाहिये। इससे स्किन में पोषण पहुंचेगा और स्किन ग्लो करेगी।

कानों को साफ करना हो सकता है
खतरनाक

कुछ लोगों को लगातार कॉटन स्वैब से कान साफ करने की आदत होती है। वे लगातार कान की वैक्स और गंदगी साफ करते रहते हैं। हालांकि इसके कई दुष्प्रभाव हो सकते हैं। इससे न केवल कान के पर्दे को

नुकसान पहुंचता है, बल्कि कई अन्य संभावित नुकसानों से भी इनकार नहीं किया जा सकता। अपने कान साफ करने के लिए लोग कई अनदेखी चीजों का इस्तेमाल करते हैं। यह बात समझनी बहुत जरूरी है कि कान के भीतर वैक्स और गंदगी को साफ करने के लिए कुछ भी इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ऐसा खतरनाक है और इससे आपके सुनने की क्षमता भी खत्म हो सकती है।

क्या है कॉटन स्वैब

ईयर कैनाल में मौजूद कोशिकाएं कैरुमन का निर्माण करती हैं, जिसे सामान्य भाषा में ईयर वैक्स कहा जाता है। किसी डाक्टर की मदद लेने की बजाय कुछ लोग कॉटन स्वैब से यह वैक्स हटाने का आसान रास्ता अपनाते हैं। लोगों को लगता है कि डाक्टर के पास जाकर समय और पैसे बर्बाद करने से अच्छा है कि इस वैक्स को खुद ही निकाल लिया जाए। लेकिन इससे उन्हें फायदा कम नुकसान ज्यादा होता है।

पर्दे को नुकसान

रुई का फोहा आसानी से कान के पर्दे तक पहुंच जाता है। कान का पर्दा बहुत संवेदनशील होता है और स्वैब के मामूली दबाव से भी वह क्षतिग्रस्त हो सकता है।

तो क्या करें

तो ऐसे में सवाल उठता है कि हमें वाकई अपने कान साफ करने की जरूरत होती है। कान का बाहरी हिस्सा जो नजर आता है उसे कभी कभार साफ किया जाना चाहिए। इस काम को आप थोड़े से साबुन, पानी और तौलिए से भी कर सकते हैं।

सुनने की क्षमता जा सकती है

ज्यादातर मामलों में इयर कैनाल को साफ करने की जरूरत नहीं होती। नहाते या शॉवर के समय हमारे कान में इतना पानी चला जाता है कि जमी हुई वैक्स अपने आप ही ढीली हो जाती है।

डॉक्टरी मदद की दरकार

ऐसे लोग जिनके कान में बहुत ज्यादा वैक्स होती है, उन्हें डाक्टरी सहायता की जरूरत होती है। डाक्टर पानी में थोड़ा सा पेरोक्साइड मिलाकर उसे कान में इंजेक्ट कर आसानी से वैक्स को बाहर निकाल सकते हैं। इस प्रक्रिया में दर्द बिलकुल नहीं होता। कान में जमी वैक्स निकालने के लिए यह तरीका बेहद प्रभावशाली है। अगर यह समस्या काफी ज्यादा रहती है तो मरीज डाक्टर से यह प्रक्रिया समझ कर इसे घर पर ही कर सकता है। अगर आपके कान में वैक्स या गंदगी जमा हो रही है तो आप डाक्टर की सहायता ले सकते हैं। आप उनसे सही कान साफ करने का तरीका पूछ सकते हैं।

कहीं मुश्किल में न डाल दें ये
सेहतमंद आदतें

स्वस्थ रहने के लिए हम हर उस बात का अनुसरण करने के लिए तैयार रहते हैं, जो सेहतमंद रखने का दावा करती हैं. मगर कुछ अच्छी बातें भी हमारे स्वास्थ को नुकसान पहुंचा सकती हैं. सेहत को लेकर सचेत रहना अच्छी बात है, लेकिन आपको इस बात के प्रति भी सचेत रहना चाहिए कि अपनी सेहत के लिए आप जिन आदतों को फायदेमंद मानती हैं, वे वाकई में फायदेमंद हैं या नहीं. क्योंकि ऐसा कई बार देखने में आया है कि हम अपने मन में सेहत, खाने-पीने की आदतों, साफ-सफाई को लेकर काफी सतर्कता बरतते हैं, लेकिन इस बात से बेपरवाह रहते हैं कि हमारी ये आदतें सेहत के लिए फायदेमंद न होकर नुकसानदेह साबित हो सकती हैं. हम आपको बता रहे हैं कि वे सेहतमंद आदतें कौन सी हैं, जो आपके लिए घाटे का सौदा साबित हो सकती हैं.

हर बार खाने के बाद ब्रश करना

कई लोगों को लगता है कि हर बार खाना खाने के बाद ब्रश करना आपके दांतों को कीटाणु-मुक्त और दांतों को मोतियों-सा दमकता हुआ बनाये रखने में मददगार होता है. लेकिन हकीकत यह है कि यह आपके दांतों पर से सुरक्षाकारी एनामेल को घिस सकता है और इससे आपको दांतों में सेंसिटिविटी की समस्या पैदा हो सकती है. इसलिए अपनी मां की हर दिन दो बार ब्रश करने की सलाह को याद कीजिए. आपके लिए वही फायदेमंद है. खाना खाने के बाद हर बार ब्रश करने की बजाय अच्छी तरह से कुल्ला करना आपके लिए ज्यादा उपयोगी है.

ठीक नहीं हैंड सैनिटाइजर का बार-बार इस्तेमाल

क्या आप बाहर निकलने के बाद कुछ भी छूने, किसी चीज को पकड़ने के बाद बार-बार अपने हाथों में सैनिटाइजर मलती हैं? तो आप सतर्क हो जाइए. यह आदत आपको नुकसान पहुंचा सकती है.यह सही है कि हैंड सैनिटाइजर हाथों को साफ करने का सुविधाजनक तरीका है, लेकिन इस बात का ख्याल रखना भी जरूरी है कि इसका समझदारी से उपयोग किया जाये. अमेरिका में किये गये एक शोध के मुताबिक ज्यादातर सैनिटाइजर में ट्राइक्लोसान नामक एक केमिकल होता है, जिसे हाथ की त्वचा तुरंत सोख लेती है. अगर यह रक्त संचार में शामिल हो जाये, तो यह मांसपेशी को-ऑर्डिनेशन के लिए जरूरी सेल-कम्युनिकेशन को बाधित करता है. इसका लंबे समय तक ज्यादा इस्तेमाल त्वचा को सूखा बनाने, बांझपन और हृदय के रोग को न्योता दे सकता है.इसलिए अगर आपको हाथ धोने की जरूरत महसूस हो रही है, तो इंतजार कीजिए और मौका मिलते ही साबुन और पानी से ही अपने हाथों को धोइए.

क्या आप अपने कॉस्मेटिक्स को बार-बार बदलती हैं?

अगर आप विज्ञापनों के प्रभाव में अपने कॉस्मेटिक्स को बार-बार बदलती हैं, तो इस आदत को बदल दीजिए. त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि इनसानी त्वचा का पीएच स्तर 55 होता है.अलग-अलग कंपनियों के कॉस्मेटिक्स के पीएच मान अलग-अलग होते हैं.जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील होती है, उनके लिए अलग-अलग पीएच मानकों के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नकुसानदेह साबित हो सकता है. इससे आपकी त्वचा लाल पड़ सकती है. इसमें जलन या चकत्ते आने की शिकायत आ सकती है. इसलिए सिर्फ भरोसेमंद ब्रांड्स के कॉस्मेटिक्स का इस्तेमाल करें और इस्तेमाल से पहले सबके पीएच मानकों को जरूर पढ़ लें.

हर बार बोतल बंद पानी नहीं

कई लोगों को लगता है कि बोतलबंद पानी आपको रोगों से दूर रखने में मददगार होता है. लेकिन ध्यान रखिए. बोतलबंद पानी प्रोसेस्ड पानी होता है, जिसमें खनिज तत्व मौजूद नहीं रहते हैं. लंबे समय तक इसका इस्तेमाल करने से आपके शरीर में मैग्नीशियम, कैल्शियम, पोटैशियम, सिलिका, सल्फेट जैसे खनिजों की कमी हो सकती है. यह आपके लिए नुकसानदायक है, क्योंकि ये खनिज आपके शरीर में कई काम करते हैं.ये तत्व आपको ऊर्जा मुहैया कराने के साथ-साथ कोशिका और मांसपेशियों की मरम्मत भी करते हैं.

फ्लिप फ्लॉप और पांव

क्या आपको लगता है कि हील वाली चप्पल आपके पांवों को नुकसान पहुंचाती हैं, इसलिए आपको चपटे सोल वाली चप्पल का इस्तेमाल करना चाहिए? लेकिन यह ख्याल आपके लिए वास्तव में नुकसानदायक साबित हो सकता है.क्योंकि आर्क नहीं होने के कारण फ्लिप फ्लॉप (चपटे सोल वाली चप्पल) आपके पांवों को कोई सपोर्ट नहीं दे पातीं. चलते वक्त चपटे स्लिपर को कंट्रोल करने के लिए अंगूठों को लगातार चप्पल पर ग्रिप बनाना पड़ता है, ताकि वह पांव से फिसल न जाये.इससे पांवों का नैचुरल लिफ्ट ऑफ और पांव रखना गड़बड़ा जाता है. इससे पांवों के तलवे में दिक्कत आ सकती है. अगर आपको अपने पांवों का ख्याल है, तो कोशिश रहे कि आप फ्लिप फ्लॉप कम ही पहनें.

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाएं खान-पान का रखें
विशेष ध्यान

महिलाओं को गर्भधारण के बाद अपने खाने-पीने की चीजों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। इस समय उन्हें सामान्य से ज्यादा ऊर्जा और कैलोरी की आवश्यकता होती है। जच्चा और बच्चा दोनों को सही मात्रा में कैलोरी मिले इसके लिए जरूरी है कि गर्भवती महिलाएं अपने खाने पर विशेष ध्यान दें। प्रेग्नेंसी में फल और जूस बहुत फायदेमंद होते हैं। फलों से जहां प्रोटीन, कैल्शियम और सिलिकॉन मिलता है, वहीं जूस पीने से शरीर में ताजगी बनी रहती है। लेकिन जूस पीते वक्त ये ध्यान रखें कि जूस ताजे फलों का बना हो। डिब्बा बंद जूस पीने से बचें। प्रेग्नेंट महिला को ब्रेकफास्ट में दूध और डेयरी प्रोडेक्ट का इस्तेमाल भी करना चाहिए।

प्रेग्नेंट महिलाएं अपने नाश्ते में अंडा या ऑमलेट भी ले सकती हैं। पालक के साथ ऑमलेट लेने से भी फायदा होता है। इससे 41 कैलोरी के साथ आयरन, फोलिक एसिड और कैल्शियम भी मिलता है। साबुत अनाज जैसे दलिया, कॉर्न, दालें, ब्राउन राइस भी प्रेग्नेंसी में काफी लाभप्रद रहते हैं। इसमें विटामिन, प्रोटीन, कैल्शियम और फाइबर होता है, जो प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए जरूरी है। प्रेग्नेंसी के दौरान पानी खूब पीना चाहिए। फिल्टर्ड पानी का ही उपयोग करें। फिल्टर्ड पानी ना हो तो इसे उबाल लें। उबालने से पानी साफ हो जाता है। जब घर से बाहर हो तब अच्छे ब्रांड की बोतल का ही पानी पिएं।

मामूली उपायों से बच सकती है 50 प्रतिशत
दिल के मरीजों की जान

सही समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाने के कारण देश में दिल का दौरा पडने के बाद 50 प्रतिशत मरीजों की जान चली जाती है जबकि प्राथमिक उपचार की मामूली तकनीक से उनकी जान बचाई जा सकती है।

दिल की बीमारियों के कारण देश में हर वर्ष 34 लाख लोगों की मौत हो जाती है और एक लाख बीस हजार बच्चे जन्मजात दिल की बीमारियों के से ग्रसित होते हैं। अकेले जम्मू में 30 से अधिक उम्र के 10 प्रतिशत से 14 प्रतिशत लोग दिल की बीमारियों से पीड़ित हैं। विशेषज्ञों का कहना था कि इनमें से बहुत से मरीजों की समस्याओं का इलाज संभव होता है और उन्हें मौत के मुंह में जाने से रोका जा सकता है।

उन्होंने बताया कि इस तकनीक का प्रशिक्षण हर व्यक्ति को मिले, यह मौजूदा समय की मांग है। उन्होंने बताया कि सीपीआर तकनीक सिर्फ 5 मिनट में सीखी जा सकती है जिसकी मदद से हृदयाघात से पीड़ित व्यक्ति को दस मिनट के भीतर बचाया जा सकता है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाराष्ट्र सरकार के गठबंधन सहयोगियों में कोई मतभेद नहीं: शिवसेना

मुंबई(एजेंसी)।

शिवसेना ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महा विकास आघाड़ी के सहयोगियों में कोई मतभेद नहीं है और कहा कि अगर गठबंधन सरकारें कुछ स्थानांतरणों और पदोन्नतियों पर विवाद के चलते गिरने लगे तो इससे संकेत जाता है कि राष्ट्रीय राजनीति की बुनियाद कमजोर है। शिवसेना के मुखपत्र सामना में एक संपादकीय में कहा गया कि कुछ स्थानांतरणों एवं पदोन्नतियों के मुद्दे के ऊपर हो रही राजनीति तुच्छ एवं निचले स्तरकी है। इसमें कहा गया कि सत्तारूढ़ गठबंधन साझेदारों के बीच समन्वय के अभाव को लेकर लगाई जा रही अटकलों में कोई सच्चाई नहीं है और कहा कि वे कई अहम मुद्दों पर जरूरी नहीं कि सहमत हों। मीडिया की कुछ खबरों में दावा किया गया कि मुंबई में 10 पुलिस अधिकारियों के हाल में स्थानांतरण और अहमदनगर जिले के पारनेर में शिवसेना के पांच पार्षदों का पिछले हफ्ते शरद पवार नीत पार्टी में शामिल हो जाने को लेकर शिवसेना और राकांपा के बीच तनाव है। शिवसेना ने बुधवार को कहा, अगर शरद पवार मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से अक्सर मिलते हैं तो इसमें खास क्या है। ठाकरे सरकार उनके प्रयासों के कारण बनी है। पवार किसानों, सहकारी क्षेत्र के मुद्दों पर मुख्यमंत्री से मुलाकात करते हैं। स्थानांतरण और पदोन्नति पर विवाद को लेकर गिरने लगे तो यह इस बात का संकेत है कि राष्ट्रीय राजनीति कमजोर बुनियाद पर है। मराठी दैनिक ने कहा, अगर गठबंधन सरकार दो-तीन स्थानांतरण और पदोन्नति पर विवाद को लेकर गिरने लगे तो यह इस बात का संकेत है कि राष्ट्रीय राजनीति कमजोर बुनियाद पर है। मराठी दैनिक ने कहा, अगर गठबंधन सरकार दो-तीन स्थानांतरण और पदोन्नति पर विवाद को लेकर गिरने लगे तो यह इस बात का संकेत है कि राष्ट्रीय राजनीति कमजोर बुनियाद पर है। एमवीए सहयोगियों के बीच कोई मतभेद नहीं है। शिवसेना ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधते हुए दावा किया कि यह कहना कि राज्य के गृह मंत्री अनिल देशमुख और पवार स्थानांतरण विवाद को लेकर ठाकरे को शांत करने के लिए मिले थे, यह मानसिक भ्रम का संकेत है उन लोगों का जो यह कहते और लिखतें हैं।

संक्षिप्त समाचार

एमएसएमई और बैंकों की स्थिति को लेकर राहुल ने भाजपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी देश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रमों (एमएसएमई) और बैंकों के मुश्किल में होने से जुड़ी खबरों को लेकर बुधवार को भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि कुछ महीने पहले जब उन्होंने आर्थिक सुनामी आने की बात की थी तो सत्तारूढ़ पार्टी ने उनका मजाक बनाया था। उन्होंने ट्वीट किया, लघु एवं मध्यम उपक्रम बर्बाद हो गए हैं। बड़ी कंपनियां गंभीर संकट में हैं। बैंक भी संकट में हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, मैंने कुछ महीने पहले कहा था कि आर्थिक सुनामी आ रही है। भाजपा एवं मीडिया ने देश को सच्चाई के बारे में आगाह करने के लिए मेरा मजाक बनाया था। बाद में कांग्रेस ने गत 17 मार्च को संसद भवन परिसर में दिए राहुल गांधी के एक बयान का वीडियो भी जारी किया जिसमें कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा था कि आर्थिक सुनामी आने वाली है और करोड़ों लोगों को नुकसान पहुंचेगा।

गलवान में पेट्रोलिंग प्वाइंट 15 पर डिसएंगेजमेंट पूरा, 2 किलोमीटर पीछे हटे चीनी सैनिक: भारतीय सेना

नेशनल डेस्क। भारत-चीन की सेनाओं के बीच बुधवार को गलवान घाटी में पेट्रोलिंग प्वाइंट 15 पर डिसएंगेजमेंट पूरा हो गया। भारतीय सेना ने जानकारी दी की कि चीनी सैनिक लगभग 2 किलोमीटर पीछे हट गए हैं यानि कि चीन के पीछे हटने का काम पूरा हो गया है। बता दें कि सोमवार को चीनी सेना ने पूर्वी लद्दाख में हॉट स्प्रिंग्स और गोग्रा में झड़प वाले क्षेत्रों से अस्थायी ढांचों को हटा दिया है और मंगलवार को सैनिकों की वापसी का सिलसिला जारी रहा। चीनी सैनिक भले ही पीछे हट रहे हों लेकिन भारत सतर्क है। भारतीय वायुसेना रात में बॉर्डर के पास निगरानी रख रही है। एयरफोर्स के लड़ाकू जेट ने रात को उड़ान भरी। बता दें कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने रविवार को टेलीफोन पर बात की थी जिसमें वे वास्तविक नियंत्रण रेखा से सैनिकों के तेजी से पीछे हटने की प्रक्रिया को पूरा करने पर सहमत हुए थे, जिसके बाद सोमवार की सुबह सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी। सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना क्षेत्र में सैनिकों की वापसी के मद्देनजर अपनी निगरानी को कम नहीं कर रही है और किसी भी घटना से निपटने के लिए उच्च स्तर की सतर्कता बनाए रखेगी।

भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री कोरोना पॉजिटिव, हाल जानने पहुंचे कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर। मध्य प्रदेश में कोरोना का कहर बढ़ता ही जा रहा है। अब इससे बड़े बड़े राजनेता भी अछूते नहीं है। हाल ही में पूर्व केंद्रीय मंत्री व प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है। इसके बाद उन्हें इंदौर के मेदांता हॉस्पिटल में डॉक्टर्स की देख रेख में रखा गया है। वहीं उनकी पत्नी धार विधायक नीना वर्मा को प्रशासन ने होम क्वॉरेंटाइन किया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री में कोरोना की पुष्टि होने के बाद उन्हें इलाज के लिए इंदौर लाया गया। इस बात की जानकारी जब बीजेपी राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को लगी तो वे अपने खास रमेश मेंदोला के साथ मेदांता हॉस्पिटल पहुंचे और भाजपा नेता के स्वास्थ्य को लेकर डॉक्टरों से चर्चा की। हाल जानने के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए कैलाश विजयवर्गीय ने अपने आप को कोविड-19 फ्री बताया और कहा मुझे कोरोना नहीं हो सकता। साथ ही कहा कि विक्रम वर्मा का स्वास्थ ठीक है।

सेना की कार्रवाई से बौखलाए पाक ने एलओसी के पास की गोलाबारी, एक नागरिक की मौत

नेशनल डेस्क। नियंत्रण रेखा पर भारतीय सेना की कार्रवाई से पाकिस्तान बौखला गया है। इसीका नजीता है कि वह आए दिन संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रहा है। पाकिस्तान ने एक बार फिर जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास अग्रिम इलाकों में सीजफायर तोड़ा गोलीबारी की, जिसमें 65 वर्षीय महिला की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बालाकोट और मेंढर सेक्टर में सीमा पार से गोलाबारी देर रात करीब दो बजे शुरू हुई जिसके जवाब में भारतीय सेना ने भी कार्रवाई की। इसमें दो महिलाएं- रेशम बी और हकम बी - लानजोते गांव में पाकिस्तानी गोलाबारी में गंभीर रूप से घायल हो गईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि रेशम बी की बाद में मौत हो गई जबकि हकम बी को विशेष उपचार के लिए जम्मू अस्पताल रेफर कर दिया गया। रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान ने देर रात दो बजे मोर्टार से भारी गोलाबारी और छोटे हथियारों से गोलीबारी कर बिना उकसावे के संघर्षविराम उल्लंघन किया। प्रवक्ता ने बताया कि दोनों तरफ से गोलाबारी 45 मिनट तक जारी रही। उन्होंने कहा कि जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान में कितने लोग हताहत हुए, इसकी तत्काल जानकारी नहीं मिल सकी है।

गहलोत की पीएम मोदी से मांग- राजस्थान नहर को राष्ट्रीय परियोजना करें घोषित

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की महत्वाकांक्षी पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कि लगभग 37,247 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना से राज्य के 13 जिलों में पेयजल तथा 2.8 लाख हेक्टयर क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। गहलोत ने इस बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री ने पत्र में लिखा कि ईआरसीपी की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) नवम्बर 2017 में आवश्यक अनुमोदन के लिए केन्द्रीय जल आयोग को भेजी जा चुकी है। उन्होंने आग्रह किया कि इस योजना को जल्द से जल्द राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया जाए। गहलोत ने कहा कि केन्द्र सरकार ने पूर्व में 16 विभिन्न बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजनाओं को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिया है लेकिन राजस्थान की किसी भी बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना को यह दर्जा नहीं मिला है। राज्य के कई जिलों में पेयजल की गंभीर समस्या के चलते इस परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देना और इसका जल्दी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि ईआरसीपी परियोजना से झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, भरतपुर व धौलपुर जिलों को वर्ष 2051 तक पीने तथा सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

ईआरसीपी की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के अनुसार परियोजना से मानसून के दौरान कुनू, कुल, पार्वती, कालीसिंध एवं मेज नदियों के सब बेसिन के अधिशेष जल को बनास, मोरेल, बाणगंगा, गंभीर व पार्बती नदियों के सब बेसिन में पहुंचाया जाना है।

कुलभूषण जाधव ने रिव्यू पटीशन से किया इंकार, पाक ने दूसरा काउंसुलर एक्सेस किया ऑफर

पेशावर। पाकिस्तान की जेल में तथाकथित जासूसी के आरोप में बंद भारतीय नौसेना के सेवानिवृत्त अधिकारी कुलभूषण जाधव ने रिव्यू पिटीशन दाखिल करने से इंकार कर दिया है। पाकिस्तान का दावा है कि उसने जाधव को दूसरा काउंसुलर एक्सेस देने का ऑफर रखा है। पाकिस्तानी सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान ने जाधव को 17 जून को रिव्यू पिटीशन फाइल करने को कहा लेकिन जाधव ने मना कर दिया। पाकिस्तान ने इस बाबत भारतीय उच्चायोग को लिख दिया है। बता दें कि जाधव को अप्रैल 2017 में एक पाकिस्तानी सैन्य अदालत ने जासूसी और आतंकवाद के आरोप में मौत की सजा सुनाई थी। बाद में भारत जाधव तक राजनयिक पहुंच प्रदान करने से इनकार करने और मौत की सजा को चुनौती देते हुए राजनयिक पहुंच प्रदान करने से इनकार करने और मौत की सजा को चुनौती देते हुए पाकिस्तान के खिलाफ यानी इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस पहुंचा था, जहां पर उसे जीत मिली थी। पाकिस्तान से जाधव की सजा की समीक्षा करने और उन्हें जल्द से जल्द काउंसुलर एक्सेस देने का आदेश दिया था। तबसे भारत इस आदेश को लागू कराने की कोशिश में पाकिस्तान के संपर्क में बना हुआ है।

दिल्ली में छिपा है हिस्ट्रीशीटर विकास दुबे? सामने आई पहली तस्वीर

नई दिल्ली। आठ पुलिसकर्मियों की हत्या के आरोपी हिस्ट्रीशीटर विकास दुबे को पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। फरीदाबाद के बडख़ल मोड़ स्थित ओयो होटल के सीसीटीवी में कैद संदिग्ध को पुलिस विकास दुबे ही मान रही है। दरसअल राष्ट्रीय राजमार्ग बडख़ल चौक स्थित श्रीसाराम ओयो गेस्ट हाउस में विकास और उसके गुर्गों के छिपे होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने वहां घेराबंदी की। अपने साथियों अंकुर और प्रभात को होटल में रुकवाया था। उनसे मिलने विकास होटल गया था। इसी बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही विकास फरार हो गया। अंकुर और प्रभात को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वहां गोली चलने की आवाज भी लोगों ने सुनी। पुलिस ने इस पूरे मामले में फिलहाल चुप्पी साध रखी है। फरीदाबाद पुलिस ने पड़ोसी जिलों को भी विकास दुबे की फुटेज भेज कर सतर्क रहने के आदेश दिए हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आठ पुलिसकर्मियों की हत्या के आरोपी ढाई लाख रूपये के इनामी विकास दुबे के साथी श्यामू बाजपेयी को पुलिस ने आज एक सशस्त्र मुठभेड़ के बाद धर दबोचा। गिरफ्तार अपराधी पर पुलिस टीम पर हमला करने का आरोप है।

बड़ी लापरवाही: कोरोना से मरने वाली मुस्लिम महिला का किया गया क्रिया कर्म और हिंदू को दफनाया गया

नई दिल्ली(एजेंसी)।

कोरोना का खतरा पूरे देश में कम होने का नाम नहीं ले रहा है। देश में कोविड-19 के लगातार बढ़ते प्रकोप के बीच कोरोना संक्रमितों की संख्या 7.42 लाख हो गई है तथा मृतकों का आंकड़ा 20,642 पर पहुंच गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 22,752 नये मामले सामने आये हैं जिससे संक्रमितों की संख्या 7,42,417 हो गयी है। इस अवधि में 482 लोगों की मौत से मृतकों की संख्या बढ़कर 20,642 हो गई है। इसी बीच देश के सबसे बड़े अस्पताल एम्स में की बड़ी लापरवाही देखने को मिली जिसने कोरोना से हुई 2 महिलाओं की मौत के बाद उनकी डेड बॉडी को अलग-अलग परिवारों को दे दिया। जानकारी के मुताबिक कोरोना से संक्रमित होने के बाद बरेली की रहने वाली अंजुमन को एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया था। टेस्ट रिपोर्ट आने के बाद पता चला कि अंजुमन कोरोना से संक्रमित हैं। इसके बाद इलाज के दौरान 6 जुलाई को रात 11:00 बजे उनकी मौत हो गई। अस्पताल प्रशासन की तरफ से परिजनों को इस बात की सूचना दी गई थी। परिवार दिल्ली के एक कब्रिस्तान में शव को दफनाने की तैयारी कर रहे थे। एम्स ट्रॉमा सेंटर से जब डेड बॉडी पहुंची और परिजनों ने जब चेहरा देखा तो उन्हें पता लगा कि शव को बदल कर दूसरी महिला की लाश दे दी गई है। परिजनों ने अब अस्पताल प्रशासन से इस बात की जानकारी दी है। अस्पताल प्रशासन

द्वारा जांच में यह पता लगा कि मुस्लिम परिवार की अंजुमन के शव को किसी हिंदू परिवार को दे दिया गया है। हिंदू परिवार ने उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया था। परिवार वाले अब एम्स अस्पताल के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

चीन के साथ बनी सहमति पूर्व की यथास्थिति की बहाली के खिलाफ नहीं है: कांग्रेस

नई दिल्ली(एजेंसी)।

कांग्रेस ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चल रहे गतिरोध के बीच कुछ इलाकों से चीनी सैनिकों के पीछे हटने की शुरुआत को लेकर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि क्या दोनों देशों के बीच बनी सहमति पूर्व की यथास्थिति की बहाली के खिलाफ नहीं है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह भी कहा कि पूरा देश अपने जवानों और सरकार के साथ एकजुट होकर खड़ा है और ऐसे में प्रधानमंत्री को हमारी भूभागीय अखंडता की मजबूती से रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कुछ पूर्व सैन्य अधिकारियों के बयानों से जुड़ी खबर का हवाला देते हुए ट्वीट किया, प्रधानमंत्री जी, राष्ट्रीय सुरक्षा पावन होती है। भूभागीय अखंडता किसी समझौते से परे होती है।

क्या यह सही है कि चीन के साथ नए प्रोटोकॉल के तहत भारतीय जवान पीपी-14 (गलवान घाटी), पीपी-15 (हॉट स्प्रिंग्स) और पीपी-17 (गोगरा) तक गश्त नहीं लगा सकते? सुरजेवाला ने सवाल किया, क्या यह सही है कि इन तीनों इलाकों में एलएसी के सीमांकन को लेकर चीन के साथ कभी कोई विवाद नहीं रहा है? भारत एलएसी पर अपनी सीमा की तरफ बफर जोन बनाने पर सहमत क्यों हुआ? उन्होंने यह भी पूछा, क्या यह गलवान घाटी और दूसरे बिंदुओं पर पूर्व की यथास्थिति की बहाली के खिलाफ नहीं है? चीन पेंगोंग सो इलाके में फिंगर 4 और फिंगर 8 के बीच से तथा डेपसांग इलाके में वाई जंक्शन से अपने सैनिकों को क्यों नहीं हटा रहा है।

विश्वकर्मा मंदिर संघर्ष : आरोपी पंच सहित 6 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

साम्बा (एजेंसी)।

गत सप्ताह विजयपुर विश्वकर्मा मंदिर के पास हुए संघर्ष को लेकर विजयपुर पुलिस ने पंच सहित 6 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इससे पहले पंच की पत्नी रीना की शिकायत पर पुलिस द्वारा कमल सिंह व उसके पिता व बहन कुंदी सहित तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। वहीं अब दूसरे पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने पंच सहित 6 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने पंच शेर सिंह, उसकी माँ रानी देवी, पत्नी रीना, पवन कुमार के अलावा नरेन्द्र चौधरी व मुकेश के खिलाफ आईपीसी की धारा 452, 147, 504, 427, 323 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार कुलविन्द्र कौर पुत्री हरबंस सिंह ने बताया कि पहले 23 जून को पंच शेर सिंह और उसके साथ नामजद किए गए सभी आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया था जिसमें वह घायल हो गई थी और जीएमसी में उपचाराधीन थी। बाद में 25 जून को दोबारा उपरोक्त आरोपियों ने उसे व उसके परिजनों को जान से मारने की धमकी दी।

कुलविन्द्र ने बताया कि उसी दिन आरोपी ने उसके परिवार पर लोहे की रॉड व पत्थरों से हमला कर दिया जिसमें इसके पिता हरबंस सिंह व दो बच्चों सहित 4 सदस्य घायल होगए। हमले की वीडियो फुटेज हमले की वीडियो फुटेज होने का भी दावा करते हुए शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपियों द्वारा हमले के सबूत मिटाने के प्रयास किए गए और उनके सीसीसटीवी कैमरे के साथ ही मकान को भी नुक्सान पहुंचाने का प्रयास किया गया।

गैंगस्टर विकास दुबे का एमपी कनेक्शन, यूपी एसटीएफ ने शहडोल से दुबे के करीबियों को हिरासत में लिया

शहडोल(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के कुख्यात अपराधी विकास दुबे की तलाश में लगी यूपी एस टी एफ की टीम बुधवार को मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के बुढ़ार कस्बे पहुंची। जहां विकास दुबे के साले ज्ञानेंद्र निगम उर्फ राजू खुल्लर और भांजे विकास को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। पति की गिरफ्तारी से परेशान राजू की पत्नी ने मदद की गुहार लगाते हुए राजू के कई राज खोले और उसके विकास दूबे और अपराध के कनेक्शन के बारे में कुछ अहम बातें बताई। उत्तर प्रदेश में बीते दो तारीख को आठ पुलिस जवानों की हत्या के बाद फरार कुख्यात आरोपी विकास दुबे को यूपी पुलिस लगातार तलाश कर रही है, लेकिन पुलिस को अब तक सफलता नहीं मिली है। विकास को तलाश करते हुए यूपी पुलिस की एसटीएफ टीम बुधवार को शहड़ोल जिले के बुढ़ार पहुंची। जहां हिस्ट्रीशीटर विकास दुबे का साला ज्ञानेन्द्र प्रकाश निगम उर्फ राजू खुल्लर शहड़ोल जिले के बुढ़ार में बीते पंद्रह सालों से रह रहा है और भूसे का व्यापार करता है। जब यूपी एसटीएफ की टीम उसके घर पहुंची तो वह घर पर नहीं था। जिसके बाद पुलिस उसके बेटे आदर्श को अपने साथ ले गई और बुधवार सुबह 6 बजे विकास दुबे के साले ज्ञानेंद्र को भी हिरासत में ले लिया। इससे पहले जब यूपी स्क्वॉड ने विकास के भांजे को पूछताछ के लिए पकड़ा तो साला ज्ञानेंद्र खुद शहड़ोल जिले के एसपी के पास पहुंचा और बताया कि उसका विकास से कोई संबंध नहीं है। ज्ञानेन्द्र नें बताया कि विकास उसे भी अपराधिक गतिविधियों में फंसाना चाहता था और उस पर भी पहले से ही दो मामले दर्ज हो चुके है। इतना ही नहीं विकास ने उसके कानपुर स्थित मकान पर भी कब्जा कर लिया था जिसे बड़ी मुश्किल से वह वापस ले सका लेकिन उसका विकास से कोई संबंध नहीं है। वहीं ज्ञानेन्द्र नें कहा कि उसके बेटे को एसटीएफ लेकर गई है। वह हर तरह से पुलिस की मदद के लिये तैयार है, जिसके बाद पुलिस नें भी स्पष्ट कहा है कि यदि वह गलत नहीं है तो उसके साथ कुछ भी गलत नहीं होगा। बुधवार सुबह यूपी स्क्वॉड एक बार फिर शहडोल पहुंची और विकास के साले को भी अपने साथ ले गई। पुलिस के अनुसार उत्तरप्रदेश में दो हाई प्रोफाइल हत्याओं में विकास दुबे के साथ उसका साला भी शामिल था। हालांकि विकास दुबे के साले ज्ञानेंद्र उर्फ राजू की पत्नी ने पिछले पंद्रह वर्षों से विकास दुबे से अपने पति का कोई संपर्क नहीं होने की बात कही। बता दें कि 8 पुलिसकर्मियों का हत्यारा विकास दुबे यूपी का सबसे बड़ा अपराधी बन गया है। पुलिस ने उसकी इनाम राशी बढ़ा कर 5 लाख कर दी है। इससे पहले उसपर ढाई लाख का इनाम घोषित था। विकास दुबे की गिरफ्तारी के लिए दिन रात लगी यूपी स्क्वॉड हर उस जगह और व्यक्ति को तलाश करने में लगी है जहां कभी विकास गया या उनसे संबंध रहा। पूरे देश की नज़र इस मामले पर बनी हुई है लेकिन तमाम कोशिशों के बाद भी यूपी पुलिस के हाथ अभी खाली हैं। वहीं बुधवार को पुलिस ने विकास के राइट हैंड कहे जाने वाले अमर दुबे तो एनकाउंटर में ढेर किया है। साथ पुलिस ने उसके गनक बब्बन शुक्ला को हिरासत में ले लिया है। पुलिस विकास दुबे के करीब पहुंचती जा रही है। 8 पुलिसकर्मियों का हत्यारा अब ज्यादा देर कर पुलिस के पंजे से दूर नहीं रह सकता।

कांग्रेस के खिलाफ गृह मंत्रालय की बड़ी कार्रवाई, राजीव गांधी फाउंडेशन की जांच के दिए निर्देश

नेशनल डेस्क। राजीव गांधी फाउंडेशन को लेकर एक बार फिर गांधी परिवार जांच के घेरे में आ गया है। गृह मंत्रालय ने राजीव गांधी फाउंडेशन की फंडिंग और इनके द्वारा किए गए उल्लंघनों की जांच को लेकर एक कमेटी गठित की है। प्रवर्तन निदेशालय के विशेष निदेशक इस समिति के प्रमुख होंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि गृह मंत्रालय ने राजीव गांधी प्रतिष्ठान, राजीव गांधी धर्मार्थ न्यास और इंदिरा गांधी स्मृति न्यास द्वारा धन शोधन अधिनियम, आयकर अधिनियम, विदेशी अंशदान अधिनियम आदि के विभिन्न कानूनी प्रावधानों के उल्लंघन की जांच में समन्वय के लिये एक अंतरमंत्रालयी समिति का गठन किया है। प्रवक्ता ने कहा कि प्रवर्तन महानिदेशालय के विशेष निदेशक समिति के अध्यक्ष होंगे। उल्लेखनीय है कि इन प्रतिष्ठानों में वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के बाद ये जांच के घेरे में हैं। भारतीय जनता पार्टी इस मुद्दे पर कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करती रही है । बता दें कि कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने दावा किया था कि चीन ने राजीव गांधी फाउंडेशन के लिए फंडिंग की है। इसके अलावा देश के लिए जो प्रधानमंत्री राहत कोष बनाया गया था, उससे भी यूपीए सरकार ने पैसा राजीव गांधी फाउंडेशन को दिया था। बीजेपी का आरोप था कि 2005-08 तक की ओर से राजीव गांधी फाउंडेशन को ये राशि मिली थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वैज्ञानिकों का दावा: कोरोना को हवा में मारने वाला 'एयर फिल्टर तैयार

न्यूयार्क (एजेंसी)।

वैज्ञानिकों ने एक ऐसा फिल्टर बनाने का दावा किया है जो हवा में कोरोना वायरस को पकड़ कर वायरस को तत्काल समाप्त कर देता है। वैज्ञानिकों के इस अविष्कार से बंद स्थानों मसलन स्कूलों, अस्पतालों के अलावा विमानों में कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने में मदद मिल सकती है। जर्नल 'मैटरियल्स टूडे फिजिक्स में प्रकाशित अध्ययन के मुताबित इस 'एयर फिल्टर ने अपने से गुजरने वाली हवा में एक बार में 99.8 फीसदी वायरस को समाप्त कर दिया। अध्ययन में कहा गया कि इस उपकरण को व्यावसायिक रूप से उपलब्ध निकेल फोम को 200 डिग्री सेल्सियस तक गर्म कर बनाया गया। इसने घातक जीवाणु बैसिलस एन्थ्रेसिस के 99.9 प्रतिशत बीजाणु को नष्ट कर दिया। बैसिलस एन्थ्रेसिस से एन्थ्रेक्स बीमारी होती है। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूस्टन (यूएच) के अध्ययन में शामिल झिफेंग रेन ने कहा, यह फिल्टर हवाई अड्डों और हवाई जहाजों में, कार्यालय भवनों, स्कूलों और क्रूज जहाजों में कोविड-19 को फैलने से रोकने में उपयोगी साबित हो सकता है।

उन्होंने कहा, ''वायरस को फैलने से रोकने में मदद करने की इसकी क्षमता समाज के लिए बहुत उपयोगी साबित हो सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार चूंकि यह वायरस हवा में लगभग तीन घंटे तक रह सकता है तो एक ऐसा फिल्टर बनाने की योजना थी जो इसे जल्द समाप्त कर दे और विश्व भर में दोबारा कामकाज शुरू होने के कारण उनका मानना है कि बंद स्थानों में वायरस को नियंत्रित करना जरूरी है। रेन ने कहा कि निकेल फोम कई अहम जरूरतों को पूरा करता है।

अनुसंधानकर्ताओं ने एक बयान में कहा, यह छिद्रयुक्त है जिससे हवा का प्रवाह होता है और विद्युत सुचालक भी है जिसने इसे गर्म होने दिया। यह लचीला भी है। यह लचीला भी है। अनुसंधानकर्ताओं ने चरणबद्ध तरीके से इस उपकरण को उपलब्ध कराने की मांग की है।

चीन में काली मौत का बढ़ा खतरा, इनर मंगोलिया में सभी पर्यटन स्थल किए गए बंद

इंटरनेशनल डेस्क (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी के बीच चीन में नई बीमारी का खतरा बढ़ता जा रहा है। यहां ब्यूबोनिक प्लेग के मामले के बाद लोग खौफजदा हैं। काली मौत के नाम से जाना जाता यह ब्यूबोनिक प्लेग चूहों से फैलता है। चीन के इनर मंगोलिया में इसका मामला सामने आने के बाद चेतावनी जारी की गई है और पर्यटन स्थलों को बंद कर दिया गया है। । जानकारी के मुताबिक, नवम्बर 2019 में इसके 4 मामले सामने आए थे जिसमें प्लेग के 2 खतरनाक स्ट्रेन मिले थे। इसे न्यूमोनिक प्लेग कहा गया था। गुजरात के सूरत में सितंबर 1994 में इसी तरह का प्लेग फैला था। माना जाता है कि उन्नीसवीं सदी में यही प्लेग चीन के यून्नान प्रांत से दुनियाभर में फैला था। 1894 के दौरान यून्नान के अफीम के व्यापार केंद्रों से यह प्लेग दुनिया में फैला था। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, 2010 से 2015 के बीच दुनियाभर में प्लेग के 3,248 मामले सामने आए और 584 मौते हुईं। चीन में प्लेग का मामला सामने आने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। की प्रवक्ता मार्गेट हेरिस ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान बताया, चीन और मंगोलिया प्रशासन के साथ लगातार इस पर नजर रखी जा रही है। सावधानी बरतते हुए मॉनिटरिंग की जा रही है और पैनिक जैसी कोई बात नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, यह एक संक्रामक बीमारी है जो येरसीनिया पेस्टिस नाम के बैक्टीरिया से फैलता है। यह बैक्टीरिया चूहे के शरीर में चिपके परजीवी पिस्सू में पाया जाता है। संक्रमण ज्यादा हो जाए तो ये बीमारी जानलेवा हो जाती है। प्लेग दो तरह का होता है - न्यूमोनिक और ब्यूबोनिक। सामान्य तौर पर होने वाले प्लेग को ब्यूबोनिक प्लेग कहते हैं, लेकिन जब इसका बैक्टीरिया फेफड़ों तक पहुंचता है तो हालत गंभीर हो जाती है, इस स्थिति को न्यूमोनिक प्लेग कहा जाता है। मुताबिक, चूहों के शरीर पर पलने वाले कीटाणुओं की वजह से प्लेग की बीमारी फैलती है।

इस्लामाबाद में बनने वाले कृष्ण मंदिर की कट्टरपंथियों ने नींव तोड़ी, जबरन दी अजान

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान में कृष्ण मंदिर बनने से पहले ही विवाद खड़ा हो गया है। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में बनने वाले पहले भव्य कृष्ण मंदिर के निर्माण को लेकर हंगामा शुरू हो गया है। यहां के कट्टरपंथी इसके निर्माण में बाधा बन रहे हैं। कट्टरपंथियों ने पहले इस मंदिर के निर्माण पर रोक लगवाई ,फिर नींवतोड़ी और और अब मंदिर की जमीन पर जबरन अजान पढ़ना शुरू कर दिया है। इमरान खान सरकार ने पूरे मामले पर चुप्पी साध रखी है। कट्टरपंथियों की कायराना हरकत की अल्पसंख्यकों ने कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि देश में अल्पसंख्तयकों के खिलाफ असहिष्णुता बढ़ती जा रही है। गौरतलब है कि इमरान सरकार ने 2 दिन पहले ही मुस्लिम कट्टरपंथियों के फतवे के बाद इस मंदिर के निर्माण पर रोक लगा दी थी। इस मंदिर का निर्माण पाकिस्तान के कैपिटल डिवेलपमेंट अथॉरिटी के जिम्मे था।

पाकिस्तान सरकार ने अब मंदिर के संबंध में इस्लामिक ऑइडियॉलजी काउंसिल से सलाह लेने का निर्णय लिया है। धार्मिक मामलों के मंत्रालय के प्रवक्तता के अनुसार धार्मिक पहलू को देखने के बाद मंदिर को बनाने पर फैसला लिया गया। उन्होंने कहा कि पीएम इमरान खान अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों के लिए फंड जारी करने पर निर्णय लेंगे। मंदिर के निर्माण पर रोक लगाने के बाद उन्होंने यह भी दावा किया।

तिब्बत मामले में अमेरिका का चीन को झटका, लगाया नया प्रतिबंध

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

दुनिया के लिए सिरदर्द बने चीन को अमेरिका ने एक बार फिर झटका दिया है। भारत के साथ सीमा विवाद में उलझे चीन के लिए नई मुसीबत खड़ी करते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने रीसिप्रोकल एक्सेस टू तिब्बत एक्ट के तहत चीनी अधिकारियों के एक समूह के वीजा पर प्रतिबंध लगा दिया है। पोम्पिओ ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के अधिकारियों पर वीजा प्रतिबंध की घोषणा की है। ये अधिकारी विदेशियों की तिब्बत तक पहुंच को प्रतिबंधित करने में शामिल थे। पोम्पिओ ने कहा कि चीन अमेरिकी राजनयिकों और अन्य अधिकारियों, पत्रकारों और पर्यटकों द्वारा तिब्बती स्वायत्त क्षेत्र (टीएआर) और अन्य तिब्बती क्षेत्रों की यात्रा में लगातार बाधा डाल रहा है। जबकि चीनी अधिकारियों और अन्य नागरिकों संयुक्त राज्य अमेरिका तक आने की पूरी छूट थी। पोम्पिओ ने कहा कि अमेरिका चीनी सरकार और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अधिकारियों के वीजा पर प्रतिबंधों की घोषणा कर रहा है, जो तिब्बती क्षेत्रों में विदेशियों के लिए पहुंच से संबंधित नीतियों के निर्माण या निष्पादन में काफी हद तक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्थिरता के लिए तिब्बती क्षेत्रों में पहुंचना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वहां चीनी मानवाधिकारों का हनन होता है। साथ ही साथ एशिया की प्रमुख नदियों के हेडवाटर्स के पास पर्यावरणीय क्षरण को रोकने में चीन असफल भी है। पोम्पिओ ने यह भी कहा कि अमेरिका चीन और विदेशों में स्थायी आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण और तिब्बती विकास, पर्यावरण संरक्षण और तिब्बती समुदायों की मानवीय स्थितियों को आगे बढ़ाने के लिए काम करना जारी रखेगा।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में सत्तारूढ़ दल के 40 सांसद-विधायक कोरोना संक्रमित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सत्तारूढ़ पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 40 सांसद-विधायक कोरोना वायरस की चपेट में आ चुके हैं। जियो न्यूज के अनुसार सत्तारूढ़ दल के सांसद और विधायकों को मिलाकर कुल 40 कोरोना से संक्रमित हो चुके जबकि दो की यह वायरस जान भी ले चुका है। पाकिस्तान में कोरोना वायरस का पहला मामला फरवरी में सामने आया था। हाल में देश के स्वास्थ्य राज्य मंत्री डा. जफर मिर्जा इसकी जद में आये थे। इससे पहले विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और रेल मंत्री भी वायरस की चपेट में आ चुके हैं। पीटीआई के 15 सांसद हैं। एक सीनेटर है। शेष विधायक हैं। नेशनल एसेम्बली के अध्यक्ष असद कैसर, मादक पदार्थ नियंत्रण राज्यमंत्री शहरयार खान आफरीदी और सिंध प्रांत के गवर्नर इमरान इस्माइल को भी कोरोना हो चुका है। पार्टी के दो विधायक शाहीन राजा और जमशेदउद्दीन काकाखेल की कोरोना से मौत हो चुकी है। पाकिस्तान के कोरोना के ताजा आंकड़ों के अनुसार दो लाख 37 हजार 489 लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं जबकि 4922 लोगों की यह जान ले चुका है।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ कर 2,37,489 हुए

इस्लामाबाद। आठ जुलाई (भाषा) पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 2,980 नए मामले सामने आने के बाद बुधवार को देश में संक्रमण के कुल मामले बढ़ कर 2,37,489 हो गए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार 83 और संक्रमित मरीजों की मौत होने के साथ इस महामारी से मरने वाले लोगों कुल की संख्या बढ़ कर 4,922 हो गई है। वहीं, 2,236 मरीजों की हालत गंभीर है। मंत्रालय ने बताया कि देश में कोविड- 9 मरीजों के संक्रमण मुक्त होने की दर बेहतर हो रही है। देश में अभी तक 1,40,965 लोग इस रोग से उबर चुके हैं। आंकड़ों के अनुसार अब तक सर्वाधिक 97,626 मामले सिंध में सामने आए हैं। इसके बाद पंजाब में 83,559, खैबर पखतूनख्वा में 28,681, इस्लामाबाद में 13,650, बलूचिस्तान में 10,919, गिलगित-बाल्तिस्तान में 1,595 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 1,419 ममाले सामने आए हैं। अधिकारियों ने बताया कि अब तक देश में 14,67,104 लोगों की कोविड-19 जांच की गई है, जिनमें से 21,951 नमूनों की जांच पिछले 24 घंटे में की गई है।

बाइडेन ने न्यूजर्सी प्राइमरी चुनाव जीता

वाशिंगटन। आठ जुलाई (एपी) अमेरिका के पूर्व उप राष्ट्रपति जो बाइडेन ने न्यूर्जी से डेमोक्रेट के प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल की है। प्राइमरी चुनाव अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की पहली सीढ़ी है। विभिन्न राज्यों में प्राइमरी चुनाव के जरिए पार्टियां अपने प्रबल दावेदार का पता लगाती हैं। बाइडेन का मुकाबला मंगलवार को हुए चुनाव में बर्नी सैंडर्स से था। हालांकि बाइडेन का राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेट की ओर उम्मीदवार बनना लगभग तय है। डेमोक्रेटिक गवर्नर मर्फी ने बातया कि इन चुनाव में अधिकतर लोगों ने मेल के जरिए मतदान दिया। बाइडेन डेमोक्रेट के डेलावेयर प्राइमरी चुनाव में भी जीत हासिल कर चुके हैं। जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वहां से रिपब्लिकन प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल की है।

पाकिस्तान में फर्जी लाइसेंस वाले 28 पायलट बर्खास्त

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने फर्जी लाइसेंस की मदद से देश की विभिन्न एयरलाइंस में कार्यरत 28 पायलटों को बर्खास्त कर दिया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अनुसार मंगलवार को प्रधानमंत्री इमरान खान की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में फर्जी लाइसेंस की मदद से एयरलाइंस में सेवा देने वाले पायलटों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू करने का निर्णय लिया गया।विस्तृत समाचार के लिए हमारी सेवाएं लें। इससे पहले जून में, देश के नागरिक उड्डयन विभाग ने सरकारी विमानन कंपनी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस, एयरब्ल्यू और सीरीन एयर सहित कई एयरलाइंस के 160 पायलटों के लाइसेंस को संदिग्ध घोषित करते हुए जांच प्रक्रिया पूरी होने तक एयरलाइंस के प्रबंधन को उन्हें हटाने के निर्देश दिए थे। पाकिस्तान के कराची में हाल ही में हुए विमान हादसे की जांच प्रक्रिया के दौरान अधिकारियों को पायलटों के संदिग्ध रिकार्ड मिलने के बाद पाकिस्तान के कराची में हाल ही में हुए विमान हादसे की जांच प्रक्रिया के दौरान अधिकारियों को पायलटों के संदिग्ध रिकार्ड मिलने के बाद नागरिक उड्डयन विभाग की तथ्यान्वेषी कमेटी उनके लाइसेंस में जांच कर रही है। इस घटना में चालक दल के सदस्यों सहित 97 लोग मारे गए थे।

13 वर्षीय छात्र के साथ रेप के बाद शादी करने वाली अध्यापिका की मौत

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका में नाबालिग छात्र के साथ रेप के बाद शादी करने वाली टीचर की मौत हो गई। मैरी के लेटर्न्यू नामक इस टीचर ने 1997 में अपने 13 साल के छात्र विली फुआलाऊ के साथ रेप किया था और फिर उसी के साथ शादी कर ली थी। टीचर के पूर्व वकील का कहना है कि मैरी के लेटरन्यू, जो सिएटल की शिक्षिका थी को 1997 में इस मामले में दोषी ठहराया गया था। मैरी की मृत्यु कैंसर से हुई और वह 58 वर्ष की थीं। लेटर्न्यू की सोमवार की देर शाम अचानक घर में मौत हो गई। मृत्यु के वक्त विली फुआलाऊ उनके पूर्व छात्र और पति जो उनके जीवन के अंतिम महीने में 24 घंटे उनकी देखभाल कर रहे थे उनके साथ थे । इसके अलावा उनका अधिकांश परिवार भी उनके पास था। लेटर्न्यू को 13 साल के फुआलाऊ के साथ 34 साल की उम्र में बलात्कार करने का दोषी पाया गया था। उसने रेप से जुड़े आरोपों में 7 साल जेल की सजा काटने से पहले फुआलाऊ के बच्चे को जन्म दिया। बाद में दंपति को दूसरा बच्चा हुआ। लेटरन्यू और फुआलाऊ ने जेल से छूटने के तुरंत बाद 2005 में शादी कर ली, लेकिन फुआलाऊ ने अपनी 12 साल की सालगिरह से ठीक पहले 2017 में कानूनी तौर पर अलग होने के लिए केस दायर किया था।

जापान में बाढ़ से 55 लोगों की मौत, बचाव कार्य के लिए बुलानी पड़ी सेना

इंटरनेशनल डेस्क।

जापान में आई बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 55 हो गई है और कम से कम एक दर्जन से ज्यादा लोग लापता हैं। आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार बचाव कार्य के लिए सेना को बुलाया गया है।आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि भारी बारिश के कारण दक्षिण जापान के शहरों आई बाढ़ का पानी गलियों में घुस गया जिसके बाद सैनिकों ने लोगों को बचाने के लिए नाव का प्रयोग किया। जापान के दक्षिणी क्षेत्र किशू में 3 जुलाई रात से ही बारिश हो रही है जिसके बाद बाढ़ आ गई। अग्नि एवं आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि 7 जुलाई को 49 लोगों की मौत की पुष्टि हुई। ये सभी नदी के किनारे स्थित कुमामोतो क्षेत्र से थे। फुकुओका में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, कम से कम एक दर्जन लोग अभी भी लापता हैं। बाढ़ के पानी और खराब मौसम की वजह से बचाव अभियान में

बाधा आ रही है। एक बुजुर्ग महिला ने सरकारी टेलीविजन एनएचके से कहा कि वह बचने के लिए सड़क एक बुजुर्ग महिला ने सरकारी टेलीविजन एनएचके से कहा कि वह बचने के लिए सड़क पर चलने लगी, लेकिन बाढ़ का पानी अचानक बढ़कर उनके गले तक पहुंच गया। जापान के तीसरे सबसे बड़े द्वीप किशू में करीब 30 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है।

युएन में भारत ने फिर खोली पाक की पोल, कहा- आतंकवादियों को हीरो मानते हैं इमरान खान

नेशनल डेस्क (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान को एक बार मुह की खानी पड़ी। संयुक्त राष्ट्र की एक वर्चुअल बैठक में भारत ने पाक को बेनकाब करते हुए आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाया। इसके साथ ही लादेन को शहीद बताने पर भी प्रधानमंत्री इमरान खान की आलोचना की। भारतीय दल का नेतृत्व कर रहे विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव महावीर सिंघवी ने बैठक में पाक को घेरते हुए कहा कि जब दुनिया कोरोना वायरस से लड़ने के लिए एकजुट हो रही है तो दूसरी तरफ पाकिस्तान एक राज्य की सीमा पार आतंकवाद को प्रायोजित कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक देश जिसने मुंबई, पठानकोट, उरी और पुलवामा में आतंकवादी हमले किए, वह अब विश्व समुदाय को उपदेश दे रहा है। सिंघवी आंतकी संगठन अल कायदा चीफ रहे ओसामा बिन लादेन को शहीद कहे जाने पर पाकिस्तान को घेरते हुए कहा कि इमरान खान ने एक बार फिर से आतंकी मंसूबों का खुलासा कर दिया है। इतना ही नहीं भारत ने कहा कि आतंकवाद को पनाह देने वाला पाकिस्तान जम्मू और कश्मीर को लेकर गलत और मनगढंत बयानबाजी कर रहा है। वह आतंकवादियों को स्वतंत्रता सेनानी मानता है। पाकिस्तान भारत के घरेलू कानून और नीतियों के बारे में गलत जानकारी भी देता है। बैठक के दौरान सिंघवी ने कहा कि इमरान खान ने सार्वजनिक रूप से पाकिस्तान में 40,000 से अधिक आतंकवादियों की मौजूदगी की बात स्वीकार की थी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक टीम ने रिपोर्ट दी थी कि लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के लगभग 6,500 पाकिस्तानी आतंकवादी अफगानिस्तान में काम कर रहे हैं।

अमेरिका ने डब्ल्यूएचओ से हटने के फैसले से संयुक्त राष्ट्र को अवगत कराया

वाशिंगटन। आठ जुलाई (भाषा) ट्रंप प्रशासन ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से सभी संबंध तोड़ते हुए इस वैश्विक स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका के बाहर होने के अपने फैसले से संयुक्त राष्ट्र को औपचारिक रूप से अवगत करा दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संगठन को आर्थिक मदद रोकने की घोषणा अप्रैल मध्य में की थी और डब्ल्यूएचओ से अमेरिका के बाहर होने की अपनी मंशा भी मई में स्पष्ट रूप से जाहिर कर दी थी। साथ ही, उन्होंने कहा था, ''यह (डब्ल्यूएचओ बार-बार) अनुरोध किये गये और बहुत जरूरी सुधार करने में विफल रहा है।÷ अमेरिका ने पिछले साल चीन के वुहान शहर से फैली कोरोना वायरस महामारी को लेकर डब्ल्यूएचओ पर चीन का पक्ष लेने का भी आरोप लगाया है। उसका आरोप है कि स्वास्थ्य संगठन ने विश्व को गुमराह किया, जिस कारण से दुनिया भर में पांच लाख लोगों की मौत हुई। इनमें से 1,30,000 मौत अकेले अमेरिका में हुई। राष्ट्रपति ट्रंप ने मई में कहा था, चीन का विश्व स्वास्थ्य संगठन पर पूर्ण नियंत्रण है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि चीन सरकार ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी की उत्पत्ति को ढंकने की कोशिश की है।'' ट्रंप प्रशासन द्वारा संबंधों की समीक्षा शुरू करने के बाद अमेरिका ने अप्रैल में ही डब्ल्यूएचओ को धन आवंटित करना बंद कर दिया था। इसके एक महीने बाद राष्ट्रपति ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ संबंध समाप्त करने की घोषणा की थी । अमेरिका डब्ल्यूएचओ को सबसे अधिक, प्रति वर्ष 45 करोड़ डॉलर से भी अधिक धन देता है, जबकि चीन का योगदान अमेरिका के योगदान के करीब 10वें हिस्से के बराबर है।

चीन में छात्रों को ले जा रही बस झील में गिरी, 21 की मौत व 15 घायल

बीजिंग। चीन के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में मंगलवार को छात्रों को ले जा रही है एक बस रेलिंग से टकराने के बाद एक झील में जा गिरी जिसमें कम से कम 21 छात्रों की मौत हो गयी और करीब 15 घायल हो गए। पीपल्स डेली ने स्थानीय आपदा प्रबंधन विभाग के हवाले से बताया कि यह हादसा गुइझोऊ प्रांत में अनशुन शहर की हॉन्गशन झील में हुआ। दुर्घटना हालांकि मंगलवार दोपहर को हुयी थी लेकिन बस के झील में गिरने के कारण छात्रों का पता नहीं लगाया जा सका था जिसके चलते मृतकों की पुष्टि करने में देरी हुयी। दुर्घटना हालांकि मंगलवार दोपहर को हुयी थी लेकिन बस के झील में गिरने के कारण छात्रों का पता नहीं लगाया जा सका था जिसके चलते मृतकों की पुष्टि करने में देरी हुयी। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार अभी भी कई छात्र लापता है और करीब 36 छात्रों को सुरक्षित बचा लिया गया है तथा घायलों का नजदीकी अस्पताल में उपचार किया जा रहा हैं। स्थानीय प्रशासन ने मामला दर्ज हादसे की जांच के आदेश दे दिए है।

कोरोना का कहर: दुनिया में वैक्सीन के लिए सबसे आगे हैं 3 नाम

बीजिंग (एजेंसी)।

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) का कहर दिनो-दिन बढ़ता ही जा रहा है और दुनिया भर में इसके संक्रमितों की संख्या 1.17 करोड़ से अधिक हो गई है जबकि 5.43 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार विश्व भर में कोरोना संक्रमितों की संख्या 1,17,97,891 हो गयी है जबकि 5,43,481 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। वहीं इस महामारी से हुई मौतों के आंकड़ों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे और ब्रिटेन तीसरे स्थान पर है। देश-विदेश में कहर बरपा रहे कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ वैक्सीन विकसित करने की जद्दोजहद में दुनिया भर में कई संभावित देशों में ट्रायल चल रहा है। हम आपको बताते हैं कि दुनिया में किन-किन वैक्सीन का ट्रायल चल रहा है। चीन की कंपनी सिनोवेक बायोटेक ने अपनी संभावित कोरोना वैक्सीन का तीसरे चरण का ट्रायल शुरू किया है। कंपनी को रेगुलेटरी अप्रूवल मिलने के बाद ब्राजील में ये ट्रायल किया जा रहा है. कंपनी कोविड-19 स्पेशलाइज्ड फैसिलिटी में काम कर रहे करीब नौ हजार स्वास्थ्यकर्मियों पर वैक्सीन का ट्रायल करेगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में 6 जुलाई तक कुल 19 संभावित वैक्सीन क्लीनिकल ट्रायल से गुजर रही हैं। अमेरिकी कंपनी मोडर्ना भी वैक्सीन का फेज 3 ट्रायल करने वाली थी लेकिन 9 जुलाई से होने वाले इस ट्रायल को टाल दिया गया है। कंपनी ने कहा था कि वो 30 हजार लोगों पर इसका ट्रायल करेगी। अब कंपनी प्रोटोकॉल में बदलाव कर रही है। फ्रांस की सनोफी और ब्रिटेन की ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन ने मिलकर भी एक वैक्सीन बनाई है इसका ह्यूमन ट्रायल सितंबर में होने का अनुमान है। विश्व महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 29,93,759 लोग संक्रमित हो चुके हैं तथा 1,31,455 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्राजील में अब तक 16,68,589 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 66,741 लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 22,752 नये मामले सामने आये हैं और अब कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 7,42,417 हो गई है। इसी अवधि में कोरोना वायरस से 482 लोगों की मृत्यु होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 20,642 हो गई है। देश में इस समय कोरोना के 2,64,944 सक्रिय मामले हैं और अब तक 4,56,831 लोग इस महामारी से निजात पा चुके हैं। रूस कोविड-19 के मामलों में चौथे नंबर पर है और यहां इसके संक्रमण से अब तक 6,93,215 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 10,478 लोगों ने जान गंवाई है। पेरु में लगातार हालात खराब होते जा रहे है वह इस सूची में पांचवे नम्बर पर पहुंच गया है वहां संक्रमितों की संख्या 3,09,278 हो गई तथा 10,952 लोगों की मौत हो चुकी है। संक्रमण के मामले में चिली विश्व में छठे स्थान पर आ गया हैं। यहां अब तक कोरोना वायरस से 3,01,019 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 6434 है। ब्रिटेन संक्रमण के मामले में सातवें नंबर पर आ गया है। यहां अब तक इस महामारी से 2,87,874 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 44,476 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। कोरोना सक्रमण के मामले में मेक्सिको स्पेन से आगे निकल कर आठवें स्थान पर आ गया है और यहां संक्रमितों की संख्या 2,68,008 पहुंच गई है और अब तक इस वायरस से 32,014 लोगों की मौत हुई है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात सरकार के मंत्री रमण पाटकर कोरोना संक्रमित

क्रांति समय (सुरत)

सूरत के कामरेज से भाजपा विधायक वीडी झालावाडिया के बाद अब राज्य सरकार के मंत्री रमण पाटकर कोरोना की चपेट में आ गए हैं। रमण पाटकर बीते दिन अस्पताल में रुटिन चेकअप के लिए गए थे। जहां कोरोना के संदिग्ध लक्षण मिलने पर टेस्ट उनका टेस्ट किया गया। रिपोर्ट आने से पहले पाटकर को अस्पताल में दाखिल किया गयाद्य।बाद में उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई। जानकारी के मुताबिक रमन पाटकर की पिछले कई दिनों से तबियत ठीक नहीं थी और इसके लिए उन्होंने आज यानी बुधवार की कैबिनेट की बैठक में आने से इंकार कर दिया थाद्य रमन पाटकर इससे पहले मुख्यमंत्री निवास पर हुई कई बैठकों में शामिल हुए थे। लेकिन अब तबियत ठीक नहीं होने पर वह स्वयं चेकअप के लिए अस्पताल

गए थे। गौरतलब है कि एक के बाद एक गुजरात के नेता कोरोना की चपेट में आ रहे हैं। बीते दिन बनासकांठा जिले की वाव से कांग्रेस विधायक गेनीबेन ठाकोर की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। दूसरी 22 मार्च से पहले वडोदरा और अहमदाबाद के निजी अस्पताल में उपचाराधीन गुजरात कांग्रेस के नेता भरतसिंह सोलंकी की हालत गंभीर बनी हुई है।

कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद सोलंकी अस्पताल में उपचाराधीन हैं।

सुरत कोविड-19 की महामारीग्रस्त में मनपा कमिश्नर अलग अलग क्षेत्रों की मुलाकात कर सूचना

सुरत मनपा उधना ज़ोन के कार्यपालक किस पर हैं महेरबान ?, किस पर हैं नाराज ?

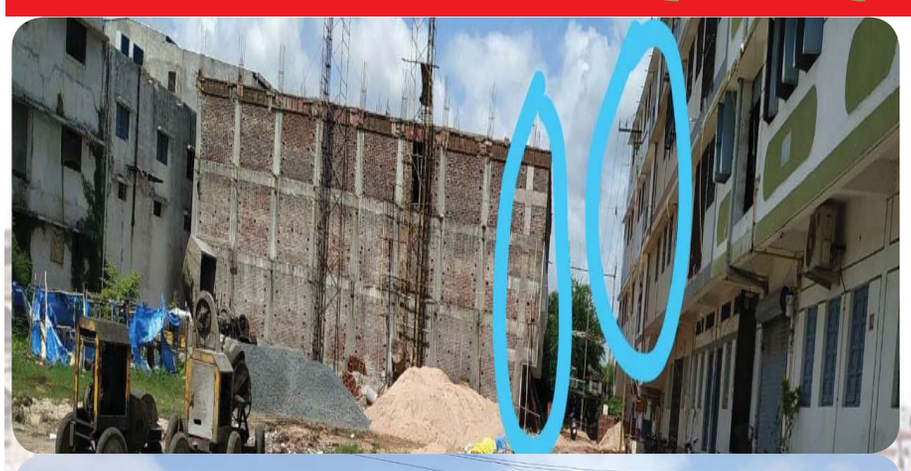

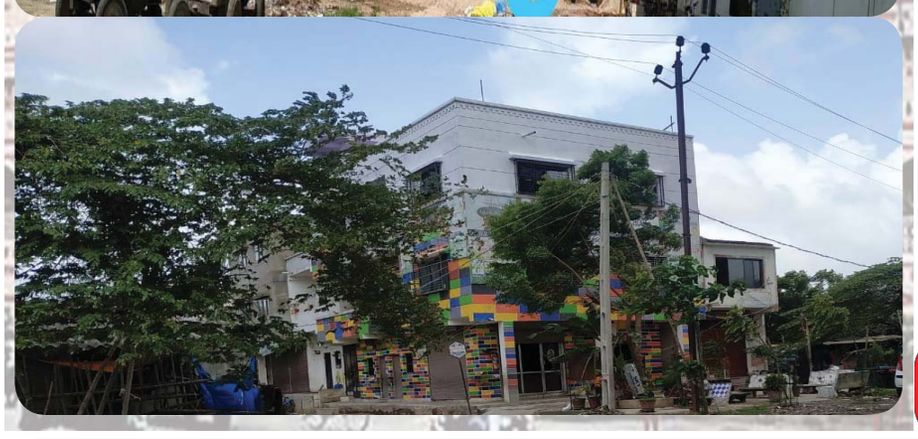

मनपा के अधिकारी अवैध रूप से बांधकाम करने में मस्त

बड़े-बड़े बांधकाम होने के बावजूद उधना ज़ोन के कार्यपालक को पता नही चलता

लेकिन एक छोटे मकान और दुकान पर लगा रहे नोटिस वह भी तोड़ने के लिए

कार्यपालक महेरबान स्कुल पर कोई नही कर रहे कार्यवाही

अवैध रूप से अलग अलग सोसायटी में चल रहा कार्य कार्यपालक की महेरबानी से

लोकडाउन में बना दिया रिजर्वेशन जगह पर बांधकाम

कहीं पर तो बिना नोटिस दिया ही तोड़ आते मनपा के अधिकारीगण मकान

बमरोली के जय अंबे सोसायटी, मणीनगर , मोहन नगर सहज इंडस्ट्रीयल, अनेक इंडस्ट्रीयल में चल रहा अवैध रूप से बांधकाम क्यों नही कर रहे कार्यवाही

सिर्फ एक दुकान के पीछे ही क्यों दिया नोटिस ? परमीशन अधिकारीयों का क्यों नही मिलता ?

बड़े-बड़े बांधकाम में क्या दिया हैं नोटिस या परमीशन

दुकानदार ने महिला से की शारीरिक छेड़छाड़, पुलिस जांच शुरू

क्रांति समय (सुरत)

अहमदाबाद, शहर के पूर्वी क्षेत्र निकोल में एक दुकान की गंदी हरकतों के खिलाफ एक महिला स्थानीय पुलिस थाने में रपट दर्ज करवाई हैद्य महिला का आरोप है कि दुकानदार ने उसके साथ न सिर्फ शारीरिक छेड़छाड़ की बल्कि उसके गाल पर दांत गड़ा दिएद्य महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की हैद्य जानकारी के मुताबिक पूर्वी अहमदाबाद के निकोल क्षेत्र में रहनेवाली 30 साल की विवाहिता 15 पहले स्थानीय धनराज नोवेल्टी प्लास्टिक स्टोर में टिफिन की खरीदी करने गई थीद्य बाद में किसी कारणवश उसे बदलने गई थीद्य हांलाकि नया टिफिन नहीं थाद्य मंगलवार को महिला पानी की बोतल खरीदने दोपहर के वक्त फिर उसे दुकान पर गई थीद्य उस वक्त दुकानदार ने विवाहिता के साथ गंदी हरकतें शुरू कर दींद्य दुकानदार ने महिला के दोनों हाथ पकड़ लिए जबरन उसे अपनी बांहों में भरने का प्रयास किया और उसके गाल पर काट खायाद्य अचानक हुई इस घटना से गुस्साई विवाहिता ने दुकानदार के गाल पर तमाचा जड़ दियाद्य दुकान से अपने घर पहुंची विवाहिता अपने पति को लेकर पुलिस थाने गई और दुकानदार के खिलाफ रपट दर्ज करवा दीद्य जिसके आधार पर निकोल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुरत मनपा कमिश्नर श्री भी इस अधिकारी के सामने कोई भी कार्यवाही करने से क्या ? कोई भी कार्यवाही होती हैं ?

सूरत के नए सिविल अस्पताल में 13000 कि.ली. क्षमता की ऑक्सीजन टैंक स्थापित

क्रांति समय (सुरत)

सूरत के नए सिविल अस्पताल में उपचाराधीन मरीजों को पर्याप्त और अबाधित रूप से ऑक्सीजन उपलब्ध कराने के लिए 13000 किलो लीटर क्षमतायुक्त

अत्याधुनिक ऑक्सीजन टैंक स्थापित की गई है।

राज्य सरकार की ओर से कोरोना के बढ़ रहे मरीजों को देखते हुए सूरत के नए सिविल अस्पताल में युद्धस्तर पर सभी आवश्यक साधन-सामग्री मुहैया करवाई जा रही है।

इसी कड़ी में वडोदरा की आईनोक्स एयर प्रोडक्ट्स प्रा. लि. द्वारा निर्मित ऑक्सीजन टैंक सूरत के नए सिविल अस्पताल में नर्सिंग कॉलेज के पिछले हिस्से में लगाई गई हैद्य स्वास्थ्य विभाग की अग्र सचिव डॉ. जयंति रवि के मार्गदर्शन में स्थापित इस ऑक्सीजन टैंक द्वारा ऑक्सीजन पर्याप्त प्रमाण में उपलब्ध होगा। टैंक उपलब्ध ऑक्सीजन के रिजर्व लेवल पर पहुंचने पर टैंक की डिजीटल सिस्टम के जरिए कंपनी को मैसेज पहुंच जाएगाद्य।

मैसेज मिलते ही कंपनी द्वारा तुरंत रिफलींग की प्रक्रिया शुरू की जा सकेगी। अगले दो दिनों में यह ऑक्सीजन टैंक कार्यरत हो जाएगी।

कोरोना के खिलाफ जंग में एसबीआई का मुख्यमंत्री राहत कोष में 11.11 लाख का योगदान

अहमदाबाद (एजेसी) भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बुधवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को कोरोना वायरस से मुकाबले के फंड के तौर पर मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 11 लाख 11 हजार 111 रुपए का चेक सौंपा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में उपयोग के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में उदार हाथ से योगदान की अपील की थी।

जिसकी प्रतिक्रिया में भारतीय स्टेट बैंक के 1200 कर्मचारियों के स्वैच्छिक योगदान से एकत्र हुए 11 लाख 11 हजार 111 रुपए की धनराशि का चेक बैंक के गुजरात के मुख्य महाप्रबंधक दुखबंधु रथ और महाप्रबंधक श्री अरविंद अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को सौंपा। इतना ही नहीं, भारतीय स्टेट बैंक ने सामाजिक दायित्व निभाते हुए राज्य में कोरोना संक्रमितों की उपचार सहायता और कोरोना संक्रमण के नियंत्रण के लिए भी उपकरण आदि राज्य सरकार को दिए हैं। इसके अंतर्गत राज्य सरकार को 47 लाख रुपए मूल्य के 25 वेंटिलेटर, 19.25 लाख रुपए कीमत के 5 हजार व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट, 17.10 लाख रुपए मूल्य के 1.50 लाख ग्लोब्स और 16.62 लाख रुपए के 3.50 लाख ट्रिपल लेयर मास्क जैसे मेडिकल उपकरण भी प्रदान किए हैं। इस तरह, भारतीय स्टेट बैंक ने 11 लाख 11 हजार 111 रुपए के चेक समेत कुल 1.11 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता राज्य सरकार को दी है।

10 लाख के लेन देन में युवक का अपहरण, दो आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय (सुरत)

अहमदाबाद , शहर के पूर्वी क्षेत्र में 10 लाख रुपए के लेन देन में एक युवक का पांच शख्सों ने अपहरण कर उसके साथ बुरी तरह मारपीट कीद्य इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर अन्य तीन की तलाश शुरू की है। जानकारी के मताबिक पूर्वी अहमदाबाद

के ओढव क्षेत्र में रश्मिकांत पटेल, हिदेश पटेल, विशाल, मासूम चौधरी और संदीप देसाई नामक शख्सों ने दिनेश पटेल का अपहरण किया थाद्य 10 लाख रुपए के लेन देन में अपहरण किए गए दिनेश पटेल को लेकर आरोपी हिम्मतनगर के दूरदराज के गांव में ले गएद्य जहां आरोपियों ने दिनेश पटेल की निर्दयतापूर्वक पिटाई, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस मामले में रश्मिकांत और हितेश पटेल को गिरफ्तार कर लिया है।

जबकि विशाल, मासूम और संदीप की तलाश शुरू की है। पुलिस की प्राथमिक जांच में पता चला कि आरोपी और शिकायतकर्ता पुराने दोस्त हैं और एक साथ व्यवसाय करते थेद्य लेकिन रुपयों के खातिर दोस्ती दुश्मनी में बदल गई और रु. 10 लाख के लेन देने के मामले में रश्मिकांत समेत पांच आरोपियों ने दिनेश का अपहरण का अपहरण करने का षडयंत्र रचा और उसकी बुरी तरह से पिटाई कर दी।

Get Instant Car Insurance

Call 9879141480

Car insurance is a concept through which you can safeguard your money in case of damage to your car.

Get Instant Health Insurance

Call 9879141480

Financial coverage for medical expenses, in case of a medical emergency.

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)